

एक—

बुधवार का तीसरा पहर, १५ दिसम्बर ।

एक छोटे स्टेशन से आगे ट्रेन अभी सरकी ही थी कि एक कुली कूदकर बाहर आ गया । थोड़ी देर प्लेटफार्म पर खड़े-खड़े ही वह उन पैसों को आश्चर्य और प्रसन्न मुद्रा से देखता रहा जो एक पागल से दृढ-स्वभाव यात्री ने जल्दी से उसके हाथों में रख दिये थे । अगर सब के सब यात्री ऐसे ही लापरवाह हो जायें तो यह कुलियों के हित की बात होने से वे चिन्तित न होंगे ।

इधर, पीटर चुपचाप किसी तरह एक कोने की उस सीट पर डब्बे में बैठ गया जिसके ऊपर की सीट पर कुली ने जल्दी में उसका चमड़े का सन्दूक आदि रख दिया था । इस ट्रेन से वह न सवार होता तब भी काम चल सकता था । लगभग बीस मिनट बाद ही जो ट्रेन वहाँ से छूटती थी वह भी उसे गन्तव्य स्थान पर पहुँचा देती, किन्तु वह होटल से एक निश्चय करके चला था और यह बात मानी हुई थी कि कुछ निश्चय कर चुकने पर वह उसे पूरा जरूर करेगा । थोड़ी देर तक वह पीछे छूटते हुए स्टेशन को भर नज़र देखता रहा और तब, हाथ की किताब खोलने के पहले, उसने एक नज़र डब्बे के अन्य यात्रियों पर डाली ।

और कोई समय होता तो वह उधर से नजर हटाकर, सब कुछ भूलकर, किताब में ही मन लगाता। किन्तु इस समय ऐसा नहीं हुआ। इस युवती में कुछ ऐसा था जो बेजोड़ था, होटल में उसकी जो आवाज पीटर के कानों में पड़ी थी, वह अभी तक गूँज रही थी। लगभग चाईस वर्ष की उसकी आयु थी और वह बहुत सरल जान पड़ती थी। इसके अलावा, उसमें असाधारण आकर्षण-शक्ति थी और वह चतुर भी जान पड़ती थी।

वह किस वस्तु से डर रही है? उस कोने में बैठे राक्षस से? शायद यही बात हो। पर वह इसका पति तो हो नहीं सकता। देखने से पिता और पुत्री भी नहीं जान पड़ते। वह आदमी भी बहुत धराया हुआ-सा जान पड़ता था।

पीटर किताब की आड़ से युवती को देखता रहा। थोड़ी देर तक तो युवती की आँखें बाहर के दृश्यों की ओर ही लगी रहीं, पर पीटर को यह निश्चय हो गया कि युवती का ध्यान कहीं और है। जिस चीज़ ने उसे इतन अधिक भयभीत कर रखा है वह साधारण न होगी। पीटर की, तब भी, बोलने की हिम्मत नहीं हुई। उसने एक पेन्सिल से अपनी किताब के खाली पेज पर बड़े और मोटे अक्षरों में लिखा—‘क्या मैं आपकी सहायता कर सकता हूँ?’ और किताब को इस तरह हाथ में लिया कि आँखें घुमाने पर युवती उसे आसानी से पढ़ ले। हुआ भी यही। थोड़ी देर बाद युवती घूमी और उसकी दृष्टि अनायास ही इस लिखावट पर पड़ गई।

युवती ने आँख उठाकर पीटर की ओर देखा। उसे लगा कि यह युवक उसके काम आ सकता है और पीटर की दृष्टि में उसने शुभ चिन्ता के भाव लिये। किन्तु उसका उम्मेद नहीं लगा। नीचे के भाग में —

‘कौन सी ?’

पीटर ने कहा मैं आपकी क्या सहायता कर सकता हूँ ?

‘मैं खुद कुछ नहीं जानती । लन्दन में मेरा कोई परिचित नहीं ।’

‘कृपया साफ साफ बतलाइए, क्या बात है ।’—पीटर ने कहा ।

थोड़ी देर तक टेलीफोन पर कोई आवाज नहीं आई, फिर उधर से किरी ने कहा—ट्रेन पर मेरे साथ जो आदमी था, उसे तो आपने देखा था न ?

‘हाँ, हाँ । तब ?’

‘उनकी मृत्यु हो गई । यहाँ ब्रैमकोर्ट होटल में किसी ने रात को मार डाला ।’

पीटर की मुद्रा कठोर हो गई । उसने कहा—मैं अभी आ रहा हूँ । हाँ, कृपा करके अपना नाम तो बता दीजिए ।

आवाज आई—धन्यवाद । मेरा नाम ऑरियल मैन्सवेल है । कृपया जल्दी आइए ।

वेटर ने हिचकिचाते हुए उत्तर दिया—नहीं महाशय, शयन-रुद्ध की दासी ऐलन मार्श ने पहले देखा था, पर उसे मूर्च्छा का दौरा आता है। किस्मत से मैं उस वक्त उसके पास ही था।

‘तुम्हारा नाम क्या है?’

‘आर्थर त्रिग्स।’

‘साफ-साफ बताओ, तुम इस विषय में क्या जानते हो।’

वेटर ने गला साफ करने की कोशिश करते हुए कहा—ऐलन इस कमरे की ओर दौड़ी चली आ रही थी, क्योंकि इस कमरे में कोई बड़े जोर-जोर से घटी बजा रहा था, पर पास आते ही उसने इस लाश को और छाती में धुसेड़े हुए लुरे को देखा तो वह चिल्लाकर भागी। तब से बहुत कोशिशों की पर उसके मुँह से मैं कोई बात नहीं निकाल सका।

‘उस समय तुम उससे कितनी दूर थे?’—सिल्वर ने पूछा।

‘करीब पाँच गज पर।’

‘और कोई उस वक्त बरामदे में था? तुमने तब क्या किया?’

‘उस समय बरामदे में और कोई नहीं था। मैंने लाश के पास जाकर उसे देखा पर कुछ छुआ नहीं।’—आर्थर त्रिग्स ने उत्तर दिया।

‘लाश उस समय कैसे पड़ी थी? क्या शयन-रुद्ध का दरवाजा बन्द था?’

‘लाश जैसी इस समय पड़ी है वैसी ही पड़ी थी और सोनेवाले कमरे का दरवाजा भी बन्द था।’

‘तब कैसे हुआ, तब वह कुछ नहीं कह सकी। बस इतना ही कहा कि ‘पुलिस को बुलाइए’।’

सिल्वर ने सिर हिलाया और लाश को कपड़े से ढक दिया। तब एक चार पुरे बरामदे को घूमकर देखा, सीढ़ियों और लिफ्ट पर गौर किया तथा नीचे उतरकर मैनेजर के कमरे में पहुँचा जहाँ वह लडकी बैठी हुई थी। सिल्वर ने एक उडती निगाह उस लडकी पर डाली और उतनी ही देर में यह भाँप लिया कि यह लडकी किस स्वभाव की है। कहा—‘मुझे खेद है, इस घटना से आपको बहुत चोट पहुँची है।’

‘क्या अभी मेरी यहाँ कोई जरूरत है?’—लडकी ने पूछा।

‘हाँ, मुझे कुछ पूछना है। मैं समझता हूँ, आप आज ही शाम को इस होटल में आई हैं?’—सिल्वर ने कहा।

‘हाँ।’

‘आपका नाम तो शायद ऑरियल मैक्सवेल है। आप कहीं रहती हैं?’

‘विंगफोर्ड, सरे के पास। मकान का नाम है पाइन लैंड्स।’

‘जिस आदमी की हत्या हुई है उसे आप जानती हैं? उसका पूरा नाम क्या है?’—सिल्वर ने उसके दृढ़ चेहरे को पढ़ते हुए पूछा।

‘हाँ, मैं उसे जानती थी। उसका पूरा नाम है लौरिमेर क्रैन्स्टन।’

‘और उसका पता?’

‘ग्रेस्टोन्स, कूम्ब अव्यास, डॉरसेटशायर।’

‘आपके कमरे में कोई कीमती चीज तो नहीं थी?’

‘नहीं।’

‘खटखटाहट सुनने के बाद क्या आपने दरवाजा खोल दिया?’

‘नहीं। मेरी निगाह कमरे की घंटी पर पड़ी और मैं उसे काफी देर तक बजाती रही। मुझे ऐसा भालूम हुआ कि बाहर कोई कराह रहा है और दरवाजे से सटकर कोई गिर पड़ा है। मैं उस समय भी एक तरह से दरवाजे से ही सटी भीतर खड़ी थी। मैं समझती हूँ, गिरनेवाले व्यक्ति मिस्टर क्रैन्सटन ही थे।’—लड़की ने उत्तर दिया। थोड़ी देर रुककर उसने फिर कहा—‘नीचे से जब मैं ऊपर चली आई उसके थोड़ी ही देर बाद मिस्टर क्रैन्सटन शायद ऊपर आये होंगे। उनका कमरा मेरे कमरे के बगल में ही है। मैं नहीं जानती कि किसने मेरा दरवाजा खटखटाया था, पर मुझे विश्वास है कि वह व्यक्ति मेरी हत्या करना चाहता था। वही सन्देह मिस्टर क्रैन्सटन को भी हुआ होगा। वे उस आदमी से उलझ पड़े होंगे और तभी उसने उनके छुरा भोंक दिया होगा।’

सिल्वर आश्चर्य से आगे झुक गया। उसने कहा—‘तो क्या कोई आपकी हत्या करना चाहता था?’

‘निःसन्देह। मिस्टर क्रैन्सटन मेरे पिता के वकील ही नहीं थे, उनके सबसे घनिष्ठ मित्र भी थे। मुझे बचाने की ही चेष्टा में उनके प्राण गये हैं।’

‘आपको क्या इस बात का सन्देह पहले से था कि आपके ऊपर आक्रमण होनेवाला है?’

की तरह मानने लगे थे। इस खत को पाते ही मैंने उनको टेलीफोन किया। उन्होंने मुझे खत को स्थानीय पुलिस को दिखला देने की सलाह दी। यह भी कहा कि बीमार होने पर भी वे जरूरत होते ही आरेंगे।’

‘आपने खत पुलिस को दिखला दिया था?’—सिल्वर ने पूछा।

‘हाँ, वहाँ के सार्जेंट ने इस बात को मजाक समझा, फिर भी खत को दस बजे उसने दो आदमियों को लिली तालाब पर यह देखने को भेजा कि वहाँ कोन आता है। पर कोई दिखाई नहीं दिया। कुछ दिनों बाद मुझे दूसरा खत मिला।’

लड़की ने वह दूसरा खत भी सिल्वर को दे दिया। उसमें लिखा था—

‘यह आखिरी मौका है। मेडोलेन की मोड़ पर दस बजे रात को पाँच सौ पाँड लेकर आ जाओ। अकेली ही आना।’

‘पाइन लैंड्स में ओक वुड के नजदीक की भाड़ियों में तुम्हारा कुत्ता फिज है। उसके गले में कुछ बंधा हुआ है। उसे हमारा उपहार समझना। अगर आज रात को तुम नहीं आओगी तो इसी तरह तुम्हें सूचित कर दिया जायगा कि एक सप्ताह के अन्दर तुम्हारी जान ले ली जायगी।’

ऑरियल ने एक लाल, अण्डाकार वस्तु सिल्वर के हाथ में रख दी और कहा—मेरा कुत्ता वहाँ भाड़ियों में मरा पड़ा हुआ था। वह कुत्ता मेरे पिता के वक्त का था। मैं उसे बहुत चाहती थी। यह चीज़ एक लिफाफे में उसके गले में लटकी हुई थी। मैंने तुरन्त पुलिस को खबर

‘क्या आप उन सब लोगो का नाम कृपा कर मुझे लिख देंगी जो यह जानते थे कि आप कहीं पर हैं ?’

‘अगर आप चाहें तो मैं लिख दूँ, किन्तु उससे आपका कोई लाभ न होगा।’ इतना कहकर ऑरियल ने नामों की फेहरिस्त बनाकर सिल्वर को दे दी।

सिल्वर ने पूछा—‘आप यह क्यों समझती है कि इससे मेरा कोई लाभ नहीं होगा ?’

‘इसलिए कि इन व्यक्तियों पर सन्देह किया ही नहीं जा सकता।’

‘अच्छा, आप अपनी कहानी कहिए। आपको जब यह लाल पत्थर मिला उसके बाद क्या हुआ ?’

‘हाँ, मैं भी पहले इसे पत्थर ही समझती थी, किन्तु इसका असली नाम है ‘रागा छीमी’। मैंने मिस्टर क्रैन्सटन को तुरन्त टेलीफोन किया। वे बहुत घबरा गये। उन्होंने मुझसे कहा कि मैं तब तक घर के बाहर न निकलूँ जब तक वे आ न जायें। यद्यपि वे अच्छे नहीं हो पाये थे, फिर भी उतना रास्ता तय कर कल मेरे पास आये। उन्होंने मुझसे साफ-साफ कहा कि तुम्हारा जीवन इस समय खतरे में है, इसलिए पूर्णतया मेरे सरक्षण में आ जाओ। उन्होंने मुझे सावधान कर कहा कि शत्रु किसी भी समय तुम्हारे प्राण ले सकते हैं। उन्होंने इस मामले में मुझे स्काटलेण्ड यार्ड की सहायता लेने की सलाह दी, ताकि बात जहाँ की तहाँ रोक दी जाय अन्यथा मेरे ये गुप्त शत्रु इसी तरह मुझे धमकाते रहेंगे।’ लड़की ने उत्तर दिया।

‘तब उस हालत में, बिना आपका पीछा किये हुए, कोई यहाँ से जान सकता है कि आप इस होटल में ठहरी है ?’—सिल्वर ने पूछा ।

ऑग्विल ने उत्तर दिया—‘यह ठीक है, किन्तु जब कभी मैं लन्दन आती हूँ तब इसी होटल में ठहरती हूँ । और यह बात बहुत लोगों ने मालूम है ।’

2

3

4

गा। मरते समय उन पर किसी का एक पैसा बक्ताया नहीं था। फिर, उनकी आमदनी भी काफी थी, वे किसी का कुछ बाक्ती क्यों रखते ?

‘अच्छा, हत्या के विषय में क्या आपका किसी पर सन्देह है ?’

‘किसी पर नहीं।’

‘मैं जानता था कि आप ऐसा ही उत्तर देगी तभी जादू न जानने की। मैंने कही थी। पुलिसवाले भी किसी आधार पर ही काम कर सकते हवा में नहीं।’

‘मैं समझती हूँ, इन्स्पेक्टर, पर क्या करूँ ? मेरा सन्देह किसी पर ना ही नहीं।’

इन्स्पेक्टर को सहसा एक बात सूझी। उसने पूछा—आपने जब ले पहल इस चीज को देखा था तब समझा था कि यह कोई पत्थर पर अब आप कह रही हैं कि यह एक प्रकार की छुरीमी का फल है। कैसे ?

अब सित्वर ने वह चीज ऑरियल के सामने कर दी जो उसके ने के गले में लिफाफे में बंधी मिली थी और जो बाद में स्वयं ऑरियल के पास भी आई थी। ऑरियल ने देखकर कहा—हो, क ही कह रही हूँ। यह फल दक्षिणी अफ्रीका में होता है और बहुत हरीला होता है। वहाँ के—विशेषकर जुलूलै ड के—काले निवासियों में बहुत अमङ्गलजनक भी माना जाता है। यदि वहाँ का कोई निवासी किसी की हत्या करना चाहता है तो पहले उसके घर के आसपास यही ल विखेर देता है और इस तरह अपने शिकार को उसकी मृत्यु की सूचना ता है। एक बार ऐसा कर चुकने पर फिर या तो वह स्वयं मरेगा या

1

2

3

4

5

6

7

8

‘आपका वह पड़ोसी मित्र कौन था, जिसने आपको उस फल का हस्यमय इतिहास बतलाया ?’

‘ये वही हैं जिनसे पिताजी ने वह जमीन खरीदी थी—मिस्टर रौलैण्ड । इन्हे पिताजी बहुत मानते थे और आदर करते थे । उस जमीन को पिताजी के हाथ बेचकर ये कहीं और चले गये । बहुत दिनों तक पिताजी से इनका सब ध टूटा सा रहा । उसके बाद ट्रान्सवाल के एक अस्पताल में, टूटा पैर लिये ये, बहुत दुखी अवस्था में पड़े थे जब पिताजी इनसे मिले थे । ‘मैक्सवेल खान’ दिनोंदिन उन्नति कर रही थी । पिताजी न जाने क्यों यही समझते थे कि अपनी सफलता के लिए वे रौलैण्ड के आभारी हैं । यद्यपि कानून यह समझने की कोई जरूरत नहीं थी, किन्तु पिताजी को वह जमीन बहुत सस्ते में मिल गई थी न ! सौभाग्य से ही पिताजी इतने धनी हो गये, यद्यपि एक समय ऐसा भी था जब रौलैण्ड और वे, करीब-करीब भूखे रहकर भाग्य से एक साथ युद्ध कर रहे थे । उन्हीं दिनों वे रौलैण्ड को मानने लगे थे ।’

ऑरियल अब चुप हो गई ।

सिल्वर ने कहा—तब ?

‘डॉक्टरों का कहना था कि रौलैण्ड का टूटा पाँव कभी ठीक न होगा । पिताजी जानते थे कि एक व्यवसायी के लिए यह कितने सकट की बात है । उन्होंने एक हजार पौंड वार्षिक रौलैण्ड के लिए बाँध दिया । फिर वे अपने दो लड़कों के साथ आकर हमारे मकान के पास ही विंगफोर्ड में रहने लगे ।’

चार—

बुधवार की रात, १५ दिसम्बर

ऑरियल ने टेलीफोन करके ट्रेन में भेंट होनेवाले युवक पीटर को होटल में बुलाया था, इसका जिक्र पहले परिच्छेद में किया जा चुका है। सिल्वर से छुट्टी पाकर वह पीटर के पास आई जो बड़ी देर से बैठा उसका इन्तजार कर रहा था। उदास और थके हुए मुख से बैठते हुए उसने कहा—माफ कीजिए, मैंने व्यर्थ ही आपको इस मामले में परीशान किया। पर अभी तक पुलिस किसी पर सन्देह नहीं कर सकी है। हत्यारा मेरी हत्या करना चाहता था। मैं आपको सब बताती हूँ।

ऑरियल ने सब बातें पीटर से कह सुनाईं। पीटर ने एक ओर देखते हुए पूछा—क्या वे पुलिस अफसर हैं ?

‘हाँ। वे लम्बे तगड़े सज्जन स्कॉटलैण्ड गार्ड के जासूस इस्पेक्टर सिल्वर हैं। उन्हीं के जिम्मे यह मामला है।’

पीटर ने लम्बी साँस लेकर कहा—यह ब्रैमफोर्ट होटल आपके लिए सुरक्षित जगह नहीं है। यहाँ आप रात कैसे बितावेगी ? खैर, आशा है, अब विपत्ति दूर हो गई है।

ऑरियल ने कहा—ट्रेन में आपके सहानुभूतिमय व्यवहार से मुझे साहस बढ़ा था। मैं उसी समय बातचीत करना चाहती थी, किन्तु मिस्टर क्रैन्सटन के कारण चुप रह गई। जब मैंने उन्हें यहाँ

अच्छा, आपके वे दो विश्वासी मित्र कोन हैं ? वे क्या आज रात को आपके मकान पर रह सकेगे ?—पीटर ने प्रछा ।

ऑरियल—उनका नाम है लुईट्रिमेन । वे मुझे बहुत चाहती हैं । वे और उनके पति डिक मेरे कहने से सब कुछ कर सकते हैं ।

पीटर ने कहा—‘तो उन्हें टेलीफोन कर दीजिए कि शीघ्र आपके मकान पर आ जायें । इस बीच मैं कौलिन्सन को देखता हूँ । अगर वह मिल गया तो हम तीनों आपके घर पादनलैण्ड्स चले चलेगे और वहाँ निश्चिन्त होकर बातचीत होगी ।’ भयो न ?

ऑरियल ने खुश होकर कहा—ठीक है । मेरे मकान में जगह की कमी नहीं है । सब लोग आराम से रह सकते हैं ।

पीटर ने टेलीफोन उठाकर घर पर नौकर से कहा—‘मेरा एक सूटकेस, कपड़ों से ठीक-ठाक कर, रिवाल्वर रखकर, टैक्सी किराये पर करके ब्रैमकोर्ट होटल चला आवे । वहाँ पीटर की मोटर मे सब सामान रख दे ।’ नौकर ने सुना तो चकरा गया । इतनी रात को स्वामी रिवाल्वर और सूटकेस लेकर कहाँ जायेंगे ! लेकिन नौकर का धर्म तो हुक्म मानना ही है । इस बीच पीटर ने ‘डेली वजट’ के दफ्तर में टेलीफोन किया । दूसरी ओर से आवाज आई—

‘नहीं, मैं इस विषय मे कुछ नहीं जानता । मैं थियेटर देखने गया था । अभी घर जाते वक्त, करीब तीन मिनट पहले, दफ्तर आया हूँ । हाँ, अगर तुम कहो तो आ सकता हूँ । पर भाई, यह बात क्या है । अच्छा, मैं आ रहा हूँ, पर मेरे लिए प्रतीक्षा मत करो । अपनी मोटर

पाँच —

बुधवार की रात, १५ दिसम्बर ।

अतिथि सरकार और अभ्यागतों की सेवा का भी एक समय होता है । बहुत रात बीते यदि कई अतिथि सहसा घर पर आ जायें तो घर के स्वामी के साथ ही नौकरों को भी परीशानी होती है । ऑरियल के घर—पाइनलैण्ड्स—के नौकर इस समय इसी बात पर तर्क-वितर्क कर रहे थे । रसोईघर में रसोईदारिन वाउमैन और घर की दासी केट बैठकर कुछ बात कर रही थी उसी समय खानसामा मास्टर्स अन्दर आया । रसोईदारिन वाउमैन लगभग पन्द्रह वर्ष से उस घर में काम कर रही थी । दासी केट, जो लगभग १६-२० वर्ष की युवती थी, लगभग दो महीने से, नौकर रखी गई थी ।

मास्टर्स ने भीतर घुसते ही कहा—वह अखबारवाला फौलिन्सन आया है ।

केट ने उत्सुकता से पूछा—वे कैसे हैं मास्टर्स ?

‘मैं समझता था, वे कोई बड़े बूढ़े आदमी होंगे, पर वे तो अभी नवयुवक ही हैं । डेली वजट’ में मैंने अपराध और अपराधियों पर इनके बहुत से लेख देखे हैं । मिस ऑरियल का कहना है, वे यहाँ कुछ दिनों रहेंगे ।’

वाउमैन ने साँस लेकर कहा—हो सकता है, पर यह तो पुलिस पता लगायेगी ही। अगर लगा सही तो ..

खानसामा ने वान काटकर कहा—जान पड़ता है. तुम्हें पुलिसवालों पर भरोसा नहीं है।

‘बिलकुल नहीं। अगर तुम्हारी शादी भी, मेरी तरह, किसी पुलिस वाले से हुई होती तो तुम भी ऐसा ही समझते। मेरे पति भी पुलिस कर्मचारी ही थे। अब तक तो उन्हें पेंशन मिलती होती, अगर गश्त लगाते वक्त नशे की हालत में न पकड़े गये होते।’

केट ने पूछा—क्या वे अभी जीवित हैं ?

‘क्या जाने। मैंने कभी पता लगाया नहीं, और न लगाना चाहती हूँ।’

अब मास्टर्स ने कहा—लेकिन इस मामले में तो स्काटलैंड यार्ड का हाथ है। जासूस इन्स्पेक्टर सिल्वर पता लगा रहे हैं।

वाउमैन ने उठते हुए कहा—जो हो। मास्टर्स, ताले-वाले लगा दिये हैं न ? रात ज्यादा हो गई।

‘हाँ।’

‘यह अच्छा है कि घर में चोरों से बचने के लिए घटिया लगी हैं। मैं सोते समय शोर-गुल नहीं चाहती। चलो केट, चलो। अँह, पता लगे या न लगे, मैं चली।’ दरवाजे तरफ जाकर वह फिर मुड़ी और

नीज को क्या

हस्तपतिवार का प्रातःकाल, १६ दिसम्बर ।

दूसरे दिन तडके ही पाइनलैण्ड्स के पोर्टिको में एक मोटर आकर गी । घटी की आवाज़ सुनकर दरवाज़ा खोलते ही मास्टर्स ने देखा कि म्या तगड़ा व्यक्ति खड़ा है । उसने कहा—मैं मिस मैक्सवेल से मिलना चाहता हूँ । यह लो कार्ड ।

मास्टर्स ने कार्ड देखकर, इज्जत के साथ कहा—आइए, आइए इन्स्पेक्टर साहब । क्या आप कृपाकर यह बतायेंगे कि कोई गिरफ्तारी ई या नहीं ।

‘अभी नहीं ।’ कहकर इन्स्पेक्टर मास्टर्स के साथ भीतर कमरे में गया । थोड़ी देर बाद ऑरियल के आने पर इन्स्पेक्टर ने कहा— आपने जो नामों की सूची मुझे दी थी उसमें मिस्टर रिचर्ड ट्रिमेन का भी नाम था । मैं उनसे मिलने उनके घर गया तो मालूम हुआ कि वे नहीं हैं । मैं उनसे तथा मिस तिवेट से मिलना चाहता हूँ । जरा उन्हें बुलाइए ।

ऑरियल जाने लगी तो इन्स्पेक्टर ने रोककर कहा—मुझे आपकी सुरक्षा की बड़ी चिन्ता है ।

ऑरियल ने कहा—लेकिन यहाँ क्या डर है ? मैं तो अपने घर पर अपने विश्वासी मित्रों और नौकरों के साथ हूँ ।

‘ठीक है, पर मुझे भय है, कि हत्यारा आपके नजदीक ही है ।’

‘तो आपके समय में तो मिस ऑरियल बिलकुल बची रही गी ?’

‘जी हाँ। जब मैं यहाँ आई तब वे पाँच बग्स की थी।’

इन्स्पेक्टर ने अनुभव किया कि यह सब बताते हुए मिस तिवैट को तारीफ हो रहा है। इनसे भी किसी को खतरा हो सकता है, इसपर इन्स्पेक्टर को तो विश्वास ही नहीं हुआ। उसने कहा—‘मैं समझता हूँ, कल की घटना से आपको बहुत दुःख हुआ है। क्यों न ?’

‘जी हाँ। जबसे उस कुत्ते की मृत्यु हुई और मिस ऑरियल को लोगों की धमकी दी गई तभी से मैं पूरी नींद से भी नहीं सकी। अब तो मस्टर क्रैन्सटन की हत्या के बाद यह सब वर्दाशत के बाहर हो गया है। मुझे ऐसा अनुभव हो रहा है कि बेचारी ऑरियल पर कोई विपत्ति जल्द ही आनेवाली है। मैं उसे बहुत चाहती हूँ इन्स्पेक्टर, पर क्या करूँ, मेरा कोई वश नहीं।’

सिल्वर ने कहा—‘आप हमारी सहायता करें तो आपकी मिस ऑरियल सुरक्षित हो सकती है।’

‘कैसे ?’

‘मेरे सवालों का सही-सही जवाब दीजिए। अब तक तो मैं अंधेरे में ही भटक रहा हूँ। हत्यारे ने होटल में भी अपना कोई निशान नहीं छोड़ा, नहीं तो आसानी से पता लग जाता। मैं समझता हूँ, जब आप इस परिवार के साथ इतने दिनों से हैं तो परिवार के सभी व्यक्ति आप पर विश्वास भी करते रहे होंगे।’

‘हाँ, दो या तीन रत उन्होंने भेजे थे पर मैंने उन्हें सावधान कर दिया था कि लिफाफों पर अपने हाथ से पते न लिखा करें। हम लोग इस बात की पूरी चेष्टा करते थे कि गाँव में कोई यह न जानने पावे कि वे कहाँ हैं।’

‘क्या आपके पास यह समझने का कोई कारण था कि उस गाँव में ही कोई उन धमकी भरे पत्रों को भेजनेवाला हो सकता है?’

मिस तिवैट तुरन्त जवाब न देकर चुप रही। अन्त में उसने कहा—‘मैं कुछ नहीं समझती थी।’ उसकी गहरी, भूरी आँखें सिल्वर की आँखों से जा मिलीं। सिल्वर को जानने की उत्सुकता हुई कि उन आँखों की उस तेज़ दृष्टि का रहस्य क्या है। उसने पूछा—‘क्या आपको यह सन्देह था कि मिस मैक्सवेल के शत्रु भी हो सकते हैं?’

‘नहीं।’

‘अगर मिस्टर क्रैन्स्टन की तरह विपत्ति मिस ऑरियल पर भी आवे तो उससे तो आपको गहरा धक्का लगेगा?’

तिवैट के ओठ हिले, कॉपने लगे, चेहरा सफेद, फट हो गया। उसने धीरे से कहा—‘ज़रूर। मुझे बहुत चोट लगेगी।’

‘तो सुनिए मिस तिवैट, आप लोगों की सहायता से ही हम हत्यारे को गिरफ्तार कर सकते हैं। क्या आस पास कोई ऐसा व्यक्ति रहता है जिस पर आपको सन्देह है?’

‘अगर ऐसा होत है मैं आपको पहले ही न बतला देती?’

यह सच हो तो क्या तिबैट को उतने रुपये का मोह नहीं हो सकता ? अगर हो तो आश्चर्य ही क्या है ? इसी समय मिस्टर ट्रिमेन अपनी बीबी के साथ कमरे में आ गये । उनके बैठ जाने पर सिल्वर ने कहा — ‘मुझे आप लोगो से कुछ पूछना है । क्या मिस मैक्सवेल ने आप लोगो को यह लिख भेजा था कि वे कहाँ है ?’

‘नहीं । यहाँ से जब ऑरियल जाने लगी तब हम लोग लन्दन के एक होटल में छुट्टियाँ बिता रहे थे । डोवर जाते वक्त वे हमारे होटल में उतरि और वहाँ हम लोगो को बताया कि कहाँ और क्यों जा रही हैं । और जैसी स्थिति उन्होंने बताई, उसमें तो उनके लिए यही ठीक था कि यह जगह छोड़ दे ।’

‘अच्छा, और किसी ने तो आप लोगो की बात नहीं सुन ली ?’

‘मिस्टर क्रैन्सटन कमरे में ही थे । उन्हीं ने सुना होगा ।’

‘आपने उनके गाँव के पते पर खत भेजा था ?’

लुई (बीबी ट्रिमेन) ने जवाब दिया — ‘नहीं इन्स्पेक्टर ! हमें नहीं मालूम था कि वे वहाँ कुछ दिन ठहरेगी । ऑरियल निश्चित रूप से कुछ नहीं कह सकती थी ।’

‘क्या आप लोग भी यह समझते थे कि उनका जीवन खतरे में है ?’

‘मिस्टर क्रैन्सटन ने सब बता दिया था ।’

डिक (मिस्टर ट्रिमेन) और लुई (बीबी ट्रिमेन) से भी कोई बहुत काम की बात सिल्वर को नहीं मालूम हो सकी । ऑरियल से छुट्टी माँगकर जब वह पाइनलैण्ड्स से जाने लगा तभी एन्डी कौलिन्सन

र डाला। अब हत्यारा इसी बात की चेष्टा में होगा कि जब तक
सके, लोगो की नजरों से दूर छिपा रहे। फिर भी तुम और
म्हारे दोस्त पीटर रात भर यहाँ उसकी प्रतीक्षा करते रहे और मैं भी रात
र जागता रहा।’

कौलिन्सन ने थोड़ी देर बाद पूछा—‘अच्छा, मिस तिवैट से क्या
बलूम हुआ?’

‘कोई खास बात नहीं।’

‘और डिक और लुई ट्रिमेन? मैं समझता हूँ कि पाँच सौ पौड के
जुए वे यह काम न करेंगे।’

‘नहीं, मैं उन्हें हत्यारा नहीं समझता। मैं सोच रहा हूँ कि ऑरियल
ता पता जाननेवाले जो छ. आदमी जीवित हैं, उनमें से किसके द्वारा यह
त्रवर फूटी कि ऑरियल कहाँ हैं। डिम और ट्रिमेन का कहना है कि
उन्होंने किसी से नहीं बताया और मैं इसे सही समझता हूँ।’

‘ऑरियल ने क्या एक लड़की का नाम और बताया था?’

‘हाँ, उसका नाम सुसेन ली है। हेम्पस्टेड के लिटसले मैन्शन में
उसके मकान पर मैं आज गया था। वह चित्रकार है और अपनी आ-
जीविका स्वयं उपाजित करती है। वह साधारण लड़की जान
पडती है। घर आदि देखने से जान पड़ता है कि वह अपने काम भर
धन स्वयं कमा लेती है। अभी उसके बारे में ज्यादा छानबीन मैं
नहीं कर सका हूँ।’

‘इसी नाम का एक और प्रसिद्ध चित्रकार भी तो है।’

‘तब तो यही जान पड़ता है कि लौरिमेर क्रैन्सटन द्वारा ही यह त फूटी थी।’

‘ताज्जुब है। क्रैन्सटन को सबसे अधिक ऑरियल की रक्षा का जवाब था। फिर भी एक बार गॉव जाऊँगा।’

सिल्वर की गाड़ी पास ही खड़ी थी, वह उस पर सवार हो गया।



‘और आप मिस ऑरियल के पिता मिस्टर मैक्सवेल को भी ने थे ?’

“देखिए, और कुछ बताने के पहले मैं आपसे ही एक प्रश्न पूछना चाहूँ। तब हमारी बातचीत में आसानी होगी। क्या आपका ल है कि मिस्टर कैन्सटन की हत्या मैंने की है ?”

इस प्रश्न पर सिल्वर चौंका। उसने रौलैंड की आँखों में चतुरता से नोट लिए—क्यों ? क्यों ? आपको यह भ्रम कैसे हुआ ?

‘मैं नहीं जानता, आप लोग जाँच पड़ताल कैसे करते हैं, पर मैंने देखा कि लोग जरा ज़रा से सन्देह पर फाँसी पा जाते हैं। मुझ पर भी आप हँस कर बैठें तो आश्चर्य ही क्या ? सुनिष्ट, मुझे इसकी चिन्ता नहीं। ऑरियल क्या समझती है। हम दोनों एक दूसरे को अच्छी तरह जानते हैं। वह जानती है कि अगर मुझे पता लग जाय कि उसे किसने लीफ पहुँचाई है तो मैं उस आदमी का खून पी जाऊँगा। शायद आपको किसी ने मिस्टर मैक्सवेल की वसीयत की बात बताई होगी।’

सिल्वर ने सोचा कि इस समय स्पष्टवादिता ठीक नहीं, उसने कहा—“नहीं।”

रौलैंड को आश्चर्य हुआ। उसने पूछा—‘क्या आप विश्वास दिलाते हैं कि आपको इस विषय में कुछ नहीं मालूम है ?’

‘मैं केवल इतना जानता हूँ कि मिस्टर मैक्सवेल ने आपके लिए एक बार पौण्ड प्रतिवर्ष बंध दिया है।’

‘अच्छा तो सुनिष्ट। मिस्टर मैक्सवेल की सारी आमदनी ज़मीन से होती थी जो मेरी उस जमीन पर थी जिसे

11

12

जाना कि जुलूलैण्ड-निवासी इस चीज को मरने-मारने के काम में हैं ?”

‘थ्रॉरियल ने मुझसे कहा था ।’

‘ठीक है, पर वह तो जब बच्ची थी तभी वहाँ से चली आई थी और गर्ई भी नहीं । उसने कैसे जाना !’

‘रालैण्ड ने उसे हाल में ही बताया था’—सिल्वर ने जवाब दिया ।



‘सुबह के अखबार में खबर पढ़कर मैं घबरा गया और तुरन्त यहाँ आ रहा हूँ।’—उन्होंने पीटर की ओर तेज़ निगाहों से देखते हुए।—‘हाँ तो मामला क्या है?’

‘कुछ तो नहीं।’

‘तब ठीक है। तुम जानती हो कल रात मैं कहाँ रहा?’

‘मैं समझती थी, आप अभी इटली में ही हैं।’

‘नहीं, मैं हफ़्ते भर से ब्रैमकोर्ट होटल में ठहरा हुआ हूँ। कल रात सोया था। रात को जब होटल पहुँचा तब तो इस घटना के बारे में सुना नहीं।’

‘जान पड़ता है, पीटर को इस व्यक्ति पर कुछ सन्देह हो रहा था।’

‘चेहरे से यही जान पड़ता था। ऑरियल ने उधर देखते हुए—‘मिस्टर पीटर, हंग्लैंड आने पर मिस्टर विवन ब्रैमकोर्ट होटल ठहरते हैं।’

‘अब तुम्हारा क्या करने का इरादा है? घूमना-फिरना चाहो तो मेरे अमेरिका क्यों नहीं चलतीं। कल सबेरे ही जहाज़ जानेवाला मैंने एक कमरा अपने लिए रिजर्व करा लिया है, अगर चाहो तो लिए।’

ऑरियल ने कहा—‘मैंने तय कर लिया है कि मैं कहीं नहीं गी।’

‘तब तो बात ही दूसरी है। मुझे वहाँ कोई ज़रूरी काम नहीं है। मैं अब नहीं जाऊँगा। अच्छा, मैं अभी आया, मोटर पर से एक लेता आऊँ।’



ऑरियल—‘उनसे तुम्हारा क्या काम सधेगा इन्स्पेक्टर! मैं को जानती हूँ। छोटा लड़का केनेथ वार्डस बरस का है और बिलकुल ने पिता की तरह ही है। बड़ा भाई डन्कन शायद खानो का जीनियर है।’

सिल्वर—‘क्या वे रौलैण्ड के साथ ही रहते हैं?’

ऑरियल—‘हाँ। केनेथ बड़ा उद्यमी है। अभी साल भर ले उसकी इच्छा दक्षिणी अफ्रीका जाने की हुई थी, पर पिता के रण रह गया।’

सिल्वर—‘क्या दोनों भाई काम-काज करते हैं?’

ऑरियल—‘नहीं, केवल केनेथ करता है। उसने गाँव में टरो के रखने का एक गराज खोला है। लेकिन आप उन लड़कों के प्रय मे क्यों इतने उत्सुक हैं?’

सिल्वर—‘क्या डन्कन भी वहीं काम करता है?’

ऑरियल—‘नहीं। डन्कन कोई दिमागी काम करना चाहता। वह चालाक भी बहुत है।’

सिल्वर—‘अगर वह एक सफल इजीनियर है और फिर भी चुप-चाप पिता के साथ ही घर पर रहता है, तब तो कहना पड़ेगा कि वह प्रतिशील नहीं है।’

ऑरियल उत्तर देने के पहले क्षण भर रुकी। उसको इस समय चपन की याद आ रही थी। जब वह छोटी थी तब रौलैण्ड के दोनो लड़को के साथ खेलती-कूदती रहती थी। उन दिनों भी, डन्कन बड़ा तेज और चतुर होने के कारण, हर काम में आगे रहता था। अगर

सकता है। पर कुल आधा गैलन पानी ही दोनों आदमियों के पास और ज्यादा कहीं मिल भी नहीं सकता था। यद्यपि घोर गरमी पड़ रही थी, फिर भी दो दिन और दो रात रौलैण्ड अपनी पीठ पर पिताजी को टांगे चलते रहे और जब इस तरह निश्चित स्थान पर पहुँचे तब रौलैण्ड गल से हो गये थे। उस समय रौलैण्ड ने सहायता न की होती इन्स्पेक्टर, पिताजी मेरे जन्म के पहले ही मर चुके होते।’

सिल्वर मन ही मन समझ रहा था कि क्या मिस्टर मैक्सवेल रौलैण्ड इतना मानने लगे थे। फिर भी उन्होंने, ऑरियल की बात समाप्त होते ही पूछा—‘आपके पिताजी के वसीयतनामे की कोई नकल आपके पास नहीं है?’

‘है। अभी लाती हूँ।’

लगभग दो तीन मिनट बाद, ऑरियल के लाये वसीयतनामे को देखते हुए सिल्वर ने कहा—‘जान पड़ता है, आपके पिताजी मिस तिवैट का बहुत चाहते थे। क्यों न?’

ऑरियल—‘जी हाँ। कष्ट के दिनों में तिवैट ने मेरी माँ की बड़ी सेवा की थी और पिताजी किसी का उपकार भूलते नहीं थे। कम से कम, तिवैट पर मेरा पूरा विश्वास है। उसे आप इस झगड़े में न डालें।’

इसी समय एक आदमी कमरे में आया। उसे देखते ही ऑरियल चिल्ला उठी—‘अरे टन्कन, तुम!’

टन्कन देखने में बड़ा रोबीला और राजा जैसा मालूम पड़ता था पर नजदीक से देखते ही पता लग जाता था कि उस रोब और सौन्दर्य

नव—

इस्पतिवार की दोपहरी, १६ दिसम्बर ।

। उस दिन लेटरबक्स में केवल दो चीजें मिलीं । एक पत्र तो केट
। नाम था और दूसरा एक पैकेट था जिसे तश्तरी पर रखकर खानसामा
मास्टर्स ऑरियल के पास ले गया । उस समय ऑरियल सुतेन ली से
तत्चीत कर रही थी । उसका हाथ नियमानुसार ही तश्तरी पर गया
। उस पैकेट पर नजर पड़ते ही वह चौंक उठी । पैकेट रस्सी से सुन्दरता
बँधा हुआ था और उसपर टाइप किया हुआ था—मिस मैक्सवेल ।
। लाने पर भीतर एक दफती का डब्बा निकला । उसका ढकना खोलते
। ऑरियल चीख पड़ी । तुरन्त पीटर और सिल्वर दौड़कर आ गये ।
। उन्होंने देखा—रुई में लपेटा हुआ, एक वैसा ही फल था, जिसे हम
हले 'टॉगा' फल कह चुके हैं ।

कमरे में मौत की सी शान्ति थी । सिल्वर दौड़कर बाहर निकल
। आया और मास्टर्स के पास पहुँचा । पूछा—'जो पैकेट तुम अभी मिस
ऑरियल को दे आये हो वह मिला कहीं ?'

मास्टर्स—'वह लेटर बक्स में पड़ा हुआ था ।'

सिल्वर—'कितनी देर हुई ?'

सिल्वर—‘चाहे जैसे जाना हो, बात सही है। यह तो बताओ, कन तुम्हें क्यों नहीं सुहाता। उसमें क्या खराबी है?’

मास्टर्स उत्तर देने में थोड़ा हिचकिचाया। वह नौकर था और कन उसकी स्वामिनी का मित्र था, अतः उसके विषय में अपनी कोई बात देने में सकोच होना डन्कन के लिए स्वाभाविक था। सिल्वर के जोर देने पर उसने कहा—‘हो सकता है कि मैं ठीक-ठीक पहचान न पाऊँ, पर मुझे लगता है कि डन्कन विश्वासयोग्य आदमी नहीं है।’

अभी मास्टर्स की बात समाप्त नहीं हुई थी कि ऊपर से एक तेज आवाज सिल्वर के कानों में पड़ी। उसे सुनते ही वह ऊपर भागा, पीछे पीछे मास्टर्स भी भागता हुआ गया। ऑरियल के कमरे के पास पहुँचकर उसने देखा कि आयरन सेफ खुला पड़ा है और जमीन पर कुछ खाली जवाहरात के टब्बे पड़े हैं! ऑरियल के नौकर-चाकर और आस-पास के आदमी भी चीख सुनकर दौड़े आये पर सिल्वर ने सबको रोक दिया। ऑरियल ने जमीन पर झुककर, सेफ और उन खाली टब्बों को ओर देखते हुए कहा—‘इन्स्पेक्टर, सब कुछ चला गया। मेरे हीरे, जवाहरातों का नेकलेस, अँगूठियाँ सब कुछ! ओह!’

सिल्वर—‘क्या सब बहुत कीमती थे?’

ऑरियल—‘हाँ, उनका दाम लगभग पन्द्रह सौ पाँड था। लेकिन आश्चर्य तो यह है कि चोरों ने सेफ को खोला कैसे?’

सिल्वर की दृष्टि उसी समय ताले में लटकती हुई चाबी पर पड़ी जैसे ऑरियल को दिखाकर उसने पूछा—‘इसे आपने कहाँ रखा था?’

‘हाँ, मैं इसे हमेशा खुला रखती हूँ।’

सिल्वर ने देखा कि खिड़की के उस पार एक बेल लगी हुई है जिसकी आवृत डालियाँ खिड़की तक पहुँचती हैं। उसने ऑरियल से खोई हुई जों की एक फेहरिस्त बना डालने को कहा और यह भी कहा कि इस गे में तब तक और कोई न जाने पावे जब तक अँगुलियों के निशानों विशेषज्ञ से मैं इसकी जाँच न करा लूँ।

फॉस—‘तुमसे किसने कहा ?’

जार्ज—‘मैंने आज सुबह के अखबार में लन्दन के होटल के हत्याकांड की खबर पढ़ी और आज जवाहरात की चोरी भी वहाँ हुई है। अभी वहाँ का माली जुर्बकिन्स वहाँ आया था, वही कह रहा था।’

फॉस—‘स्फॉटलैण्ड यार्ड का एक जासूस इस मामले का पता लगा रहा है और अभी अभी मुझसे उससे बातें हुई थी। देखो, मैं चाहता हूँ कि तुम किसी से कुछ न कहो। इन्स्पेक्टर सिल्वर इस मामले की गाँव कर रहे हैं और मुझे उनकी सहायता करनी है। मेरा खयाल है, हत्यारा तुम्हारी इसी सराय में है।’

जार्ज ने बात काटकर कहा—‘क्या ? आपका मतलब है . . .’

फॉस—‘हो। वह आदमी, जो दो-तीन हफ्तों से तुम्हारी सराय में ठहरा है, क्या नाम है उसका.. स्मिथ . वही हत्यारा है।’

जार्ज अकचका गया। उसने धवराकर कहा—‘पर ..पर उसने तो कोई बुरा काम नहीं किया !’

फॉस—‘छोड़ो इस भगड़े को। वह क्या कर रहा है इस समय ?’

इसी समय मालकिन—बीबी ग्रव—वहाँ आई और आते ही बोली—‘मैं कहती न थी जार्ज ! मुझे पहले दिन ही शक हुआ था पर तुमने माना ही नहीं ! स्मिथ ने क्या किया है साजेंट ?’

फॉस—‘अभी कोई पक्का मामला उसके विरुद्ध नहीं है पर इस गाँव में आने का कारण उसका अवश्य सन्देहजनक है।’

बीबी ग्रव—‘आप पहले ही मेरे पास आये होते तो मैं बताती कि मैं उसके बारे में क्या सोचती हूँ। स्मिथ अच्छा ग्राहक है

बीबी ग्रव—‘देखिए इन्स्पेक्टर । मैं काम-काज में लगी रहती हूँ । ठीक ठीक नहीं कह सकते कि कौन कब कहीं जाता है । इतना ही हूँ कि उसने आज साढ़े बारह बजे खाना खाया था . . ’

तभी जार्ज बोल उठा—‘दो बजे के करीब मुझसे बातें कर रहा था, के बाद बाहर गया और पाँच बजे के करीब लौटा ।’

फॉस ने परीशान होकर कहा—‘इन बातों से काम नहीं चलेगा । मैं से आप जाकर कह दीजिए, मैं उससे बातें करना चाहता हूँ ।’

बीबी ग्रव—‘अच्छा । जब आवेगा तब कह दूँगी । अभी घण्टे पहले अपनी बिले चुकाकर वह यहाँ से चला गया । मैं समझती हूँ, सवा छः बजे की ट्रेन से लन्दन चला गया होगा ।’

फॉस ने टेलीफोन करके सिल्वर और कौलिन्सन को भी वहाँ बुलाया । कुछ सुनकर सिल्वर ने पूछा—‘कल रात को स्मिथ लन्दन नहीं आया ?’

मालकिन ने जवाब दिया—‘नहीं, वह साढ़े दस बजे के करीब सो रहा था ।’

सिल्वर—‘फॉस, गाँव की सराय में ठहरना गुनाह नहीं है, इससे एक बात का पता चलता है । अगर स्मिथ का इस फाड़ से कुछ भी सम्बन्ध था तो यह तय है कि यह यहाँ नकली । मैं ठहरा हुआ था । मैं उसका कमरा देखना चाहता हूँ, केज ग्रिव !’

जिस कमरे में फॉस ठहरा हुआ था, उसकी पूरी जाँच के बाद भी मैं एक तौलिए के अलावा, जिससे फर्नाचर आदि पोछा गया था, और

ग्यारह—

रविवार की रात्रि, १६ दिसम्बर ।

वर्माड्सी के 'रोय एली' में एक छोटी दूकान पर साइन बोर्ड था—'ऐ० क्रैन्ज—घड़ीसाज़' ।

रोय एली एक बहुत छोटी जगह थी । यहाँ न तो सुन्दरता भी कुछ थी और न व्यापार की दृष्टि से ही इसमें विशेष आकर्षण था । सड़क बहुत पतली होने के कारण सवारियों भी नहीं आ जा सकती थीं । दो-तीन छोटे छोटे लैंप जलते रहते थे, कभी कभी वे भी बुझ जाते थे । थोड़ी दूर पर चार्ज और एक पुराने कपड़े की दूकान थी, एक मछली की दूकान भी थी ।

यह अच्छा ही था कि ऐ० क्रैन्ज के पास काम ज्यादा नहीं रहता था । वह बूढ़ा हो रहा था । दिन में घंटों वह दूकान के सामने चुपचाप बैठा रहता, कभी कुछ पढ़ता और पाइप पीता रहता था । कभी कुछ सोचता विचारता रहता था । बच्चे उसे बहुत चाहते थे । वे जब उधर से निकलते तब उसको ज़रूर छेड़ते । कभी कभी वह भूखे बच्चों को पैसे भी दे देता ।

‘मैं की चीजें मैं कैसे ले लूँ ! भाई, मैं ज्यादा से ज्यादा पचास दे सकता हूँ । इतना ही मेरे पास है भी ।’

‘वह ज्यादा बात न करके दाम निकालकर गिनने लगा । वह जानता था कि चोरी की चीज बेचनेवालों को यदि नरुद दाम मिलना है तो वे हुजत नहीं करते । दाम गिनकर उसने कहा—‘लो कम्प ! तुम्हारी मरजी, बेचो या न बेचो ।’

‘कम्प ने पचास पौड उठाकर जेब में रखे, सिगरेट सुलगाई और फिर दरवाजा खोलकर वह बाहर आया । इधर-उधर देखता हुआ जल्दी से रोय एली के बाहर हुआ और लन्दन के विशाल जनरव में लुप्त हो गया ।

‘इधर, उसी रात को सार्जेंट फॉस को नींद न आ रही थी । वह न जाने क्यों बहुत बेचैन से जान पड़ता था । उसके मन में बार-बार यही आ रहा था कि एक बार चलकर पाइनलैण्ड्स में देखा जाय कि वहाँ सब कुशल है या नहीं । इस इच्छा को उसने थोड़ी देर तक तो दबाया, सोने की व्यवस्था चेष्टा की, किन्तु फिर एकाएक न जाने क्या सोचा और साइकिल लेकर वह सीधा पाइनलैण्ड्स पहुँच गया । उसने देखा कि निचले तले की एक खिड़की से रोशनी आ रही है, और सब कमरों में अंधेरा है । शायद सब लोग सो रहे थे । वह पीछे की ओर गया, वहाँ भी एक खिड़की से रोशनी निकल रही थी । सार्जेंट ने धीरे-धीरे खिड़की के शीशे पर थपथपाया । मास्टर्स ने पीछे का दरवाजा खोलते हुए कहा—‘अरे सार्जेंट, आप ? गश्त लगा रहे हैं ? आइए ।’

तस का नवर मिलाने को कहा। तार के दूसरी ओर से जवाब आ—‘कौन ?’

‘आप पुलिस के आदमी हैं ?’

‘हाँ, मैं हूँ साजेंट फॉस। आप क्या चाहते हैं ?’

‘जल्दी यहाँ गरॉज में आइए। यहाँ किसी की हत्या हुई है।’

तुरन्त ही फॉस साइकिल पर वहाँ पहुँचा। लाश को देखते ही अने कहा—‘अरे यह तो केनेथ है। तुम कौन हो ?’

डाइवर—‘मेरा नाम वर्टन है। मेरी मोटर का पेट्रोल चुक गया था, अनी देखकर यहाँ आया तो यह दृश्य देखा।’

फॉस—‘तुमने कोई चीज़ यहाँ छुई है ?’

वर्टन—‘नहीं। केवल टेलीफोन किया था।’

फॉस—‘किसी को यहाँ से भागते देखा था ?’

वर्टन—‘नहीं।’

फॉस—‘मुझे अपना पता दो।’

डाइवर का पता नोट करके साजेंट ने केनेथ के ऊपरी जेब में हाथ डाला और एक मनीबैग निकाल लिया। उसमें सात पौंड दस शिलिंग। फॉस ने टेलीफोन करके डाक्टर को बुला लिया था। डाक्टर के लाश ख चुकने पर उसने पूछा—‘मरे कितनी देर हुई डाक्टर ?’

डाक्टर—‘यह कहना कठिन है। शायद आधी रात के पहले मरा हुआ है।’

चारह—

शुक्रवार की सुबह, १७ दिसम्बर ।

इस समय जिस लड़के से जासूस इन्स्पेक्टर सिल्वर बात कर रहे थे वह केनेथ के ऑफिस का कर्मचारी था । उसका नाम जिंजर हॉव्स । अभी वह रात के हत्याकांड का कोई हाल नहीं जानता था और उसे सब हाल इन्स्पेक्टर ने कहना भी नहीं चाहा । जब काफी देर हो गई और उसने अपने मालिक केनेथ को नहीं देखा तब पूछा—
मालिक कहाँ हैं ?

सिल्वर—‘वे आज यहाँ नहीं आयेगे ।

थोड़ी देर तक तो हॉव्स ने कुछ सोचने की चेष्टा की, फिर मन में कुछ सन्देह उठने पर पूछा—‘क्या आप पुलिस के आदमी हैं ?’

सिल्वर—‘हाँ ।’

हॉव्स—‘शायद जासूस हैं ।’

सिल्वर—‘हाँ, स्काटलैंड यार्ड के । देखो जिंजर, हम एक काम से यहाँ आये हैं । हम सरकारी आदमी हैं । हमारे सवालियों का ठीक-ठीक जवाब दो । क्या तुम किसी ऐसे आदमी को जानते हो जिसका नाम स्मिथ है, जो गोल्डेन क्राउन में रहता था और जिसकी आवाज बड़ी फटी-फटी सी है ?’

‘टेबुल के कोने पर। यहाँ, इधर।’ इतना कहकर हाँ-म। टेबुल पर हाथ धरकर ठीक-ठीक जगह बताई। सिल्वर ने उसे ढुंढी दे दी। इसके थोड़ी देर बाद वे पाइन-लैण्ड्स आये जहाँ उनकी नन्दी कौलिन्सन से भेट हुई।

कौलिन्सन ने कहा—‘सिल्वर, मेरे मन में बार-बार यह बात आती है कि यहाँ का कोई आदमी हत्यारा नहीं हो सकता।’

सिल्वर—‘भाई, मैं अभी कुछ ठीक नहीं कह सकता।’

कौलिन्सन—‘खैर, पर औरतो को तो हम आसानी से सन्देह से बरी कर सकते हैं।’

सिल्वर—‘हाँ, पेंचकश से किसी की हत्या करना औरतो के लिए ज़रा प्रसाधारण जरूर है, पर अगर एक औरत पागल ही हो जाय तो वह क्या न करेगी? खैर, फिलहाल उनको छोड़कर हम मदों पर विचार करें। अपने को ही लो। तुम अगर किसी की हत्या करोगे भी तो ज़हर देकर मारना ज्यादा पसन्द करोगे, पेंचकश से नहीं। रहे तुम्हारे दोस्त मिस्टर पीटर, सो उन्हें हम तुम्हारे कारण सन्देह-मुक्त कर देते हैं। ओटोक्विन—वह अमेरिकन व्यक्ति, यह अवश्य है कि उस रात ब्रैमकोर्ट होटल में ठहरा हुआ था जब कैन्सटन की हत्या हुई. . .’

कौलिन्सन—‘नहीं सिल्वर। यह सन्देह का कारण नहीं हो सकता। लन्दन आने पर वह हमेशा उसी होटल में ठहरता है।’

सिल्वर—‘खैर, अब ट्रिमेन को लो। वह बहुत साफ़ आदमी है। फिर उस वक्त वह लायब्रेरी में पढ़ रहा था। खानसामा दो-एक बार वहाँ गया भी था। वह भी अलग हो गया और इस तरह खानसामा मास्टर्स

ई—केनेथ कुर्सी पर बैठा रहा होगा। कमरे में दूसरी कुर्मी नहा प्रत' हत्यारा या तो खड़ा था या टेबुल पर बैठा था। केनेथ लगभग पीट का आदमी था और चोट उसके माथे के करीब लगी है जिसे पट है कि वह बैठा हुआ था। जमीन पर खून गिरने के दाग एक गह पर हैं, जो यह साबित करता है कि हमले के बाद वह हिल नहीं सका।'

कौलिनसन—'जान पड़ता है, हत्यारे का विचार पहले से ही हत्या का था।'

सिल्वर—'ज़रूर। खैर, चलो भीतर चले। ज़रा तुम्हारे दोस्त से बातचीत करूँगा।'

भीतर जाकर सिल्वर एकाएक बहुत गम्भीर हो गया। एक अजीब तरह उसने पीटर पर जमा दी, जैसे भीतर बाहर, चारों ओर से उसे पढ़ा चाहता हो। पीटर कुर्सी की एक बॉह पर, अधजली सिगरेट में लिये, बैठा हुआ था। थोड़ी देर तक गम्भीर दृष्टि से उसकी ओर ते रहकर सिल्वर ने कहा—'मिस्टर पीटर, क्षमा कीजिए, आप जिस चित्र रूप से इस मामले में शामिल हो गये हैं और मिस ऑरियल के षट हो गये हैं, वह पुलिस की निगाह से सन्देहजनक हो सकता है। पि कौलिनसन ने मुझे आपके बारे में सब बताया था, फिर भी उस कर्मचारी होने के कारण मैं स्वभावतः आपके बारे में छानबीन रहा था। सन्देह का हमें कोई कारण उस जाँच से नहीं मिला और लेस का कुतूहल आपके बारे में अब नहीं है। यह तो आप भी

है। यह तय है कि आप पर विपत्ति न आने देने के लिए हम सब कर सकते हैं। हम चाहते हैं कि आप पाइनलैण्ड्स से कहीं दूर जायें। यह सच है कि किसी को इसका हक नहीं कि आपको से चली जाने का हुक्म दे, पर परिस्थितियाँ ही ऐसी आ गई हैं कि जरूरी हो गया है।'

ऑरियल ने कहा—'जब आपका ऐसा खयाल है तो मैं नाँही नह सकती। आप मुझे कब जाने को कहते हैं?'

पीटर—'जितनी जल्दी हो सके, बने तो घण्टे भर में ही और जब ये सब भगाड़े तब न हो जायें, आप बाहर ही रहें।'

ऑरियल चुप रही। सिल्वर ओर कौलिन्सन की ओर देखकर नि कहा—'मैं नहीं जानती कि मुझे कहाँ जाना चाहिए। मिस्टर क्विन अमेरिका जाने को कह रहे हैं। क्या यह ठीक होगा इन्स्पेक्टर?'

सिल्वर—'हमने हर पहलू से गौर किया है। उचित तो यही होगा आप कहीं एकदम अपरिचित स्थान पर रहें—हो सके तो नाम भी ल लें ताकि धमकानेवाला व्यक्ति आपको पा न सके। इस दृष्टि मैं समझता हूँ, कि मिस्टर क्विन के साथ अमेरिका रहना या मिस्टर मेन के साथ स्पेन रहना, अथवा उन सभी छः आदमियों के साथ रहना जो आपका पता जानते हैं, हितकर न होगा। मैं चाहता हूँ, फिलहाल आप अपने तमाम मित्रों और परिचितों के सम्पर्क से रहें। मैंने मिस्टर पीटर को इस संबंध में एक सलाह दी है।'

पीटर—'हम चाहते हैं कि आप चुपचाप मेरी कार पर बैठ जायें और

‘यह हुआ कि ऑरियल के चलने-फिरने की आवाज़ क्यों नहीं । उसने दरवाज़े पर थपथपाया । कोई उत्तर नहीं मिला । तेनी से थपथपाया ।

‘की सी नीरवता कमरे में थी । सिल्वर ने दरवाज़े का हैंडल पर भीतर से ताला बन्द था । धक्का देकर उसने ताला तोड़ डाला र जो दृश्य देखा उससे उसके आश्चर्य का ठिकाना न रहा । न मैक्सवेल कमरे के फर्श पर चित्त पड़ी हुई थी और उसके मुँह कपड़ा पड़ा हुआ था । कमरे में एक विचित्र प्रकार की गन्ध ई थी । मुँह पर का कपड़ा उतारकर सिल्वर ने फेंक दिया, ल को खींचकर खिड़की के पास किया और सीढ़ी के पास आकर पीटर को पुकारा—‘जल्दी करो, कौलिन्सन को लेकर ऊपर आओ ।’ पीटर तब तक गाड़ी लाकर पोर्टिको में खड़ी कर चुका था और नीचे प्रतीक्षा कर रहा था । आवाज सुनते ही वह तुरन्त भागा हुआ गया । सिल्वर ने जल्दी में कहा—‘क्लोरोफार्म सुँघाया गया है, जाने की जरूरत नहीं, देखते रहो ।’

इतना कहकर सिल्वर नीचे आया और मकान के पीछे के बाग पहुँचा जहाँ माली काम कर रहा था । ऑरियल के कमरे की खिड़की से दिखाते हुए पूछा—‘क्या अभी किसी को तुमने उस खिड़की से हट कर देखा है ?’

माली घबरा गया । उसने कहा—‘नहीं तो ।’

सिल्वर—‘यहाँ कितनी देर से तुम काम कर रहे हो ?’

डा जैसे मुक्त कोई कमर में हाथ डालकर पकड़ रहा हो। मेरे कपड़ा भी तुरन्त रख दिया गया। वह व्यक्ति ज़रूर अन्दर ही गा।'

सिल्वर—'क्या वह मर्द था?'

ऑरियल—'मैंने कहा न, मैं कुछ नहीं जानती। हों, उसका हाथ टोर था, इसका अनुभव मुझे हुआ था।'

सिल्वर—'मैं चाहता हूँ कि आप जल्द से जल्द यहाँ से चली जायें, बढ रहा है।'

पीटर, कोलिन्सन और सिल्वर के साथ ऑरियल नीचे उतरी और जाकर बैठ गई। पीटर ड्राइवर की जगह बैठा। गाड़ी चली। बाद सिल्वर ने कहा—'कोलिन्सन, ऑरियल बड़ी भली और लडकी है, किन्तु परिस्थितियाँ ऐसी हैं कि उसे यहाँ से हटाना था। अच्छा, आओ चलें। पहले उस कमरे की जाँच कर हों बैठकर हम बात कर ले फिर घर के अन्य आदमियों से बात करूँगा।'

मेरे म आकर थोड़ी देर इधर उधर देखने के बाद सिल्वर

कमरे और का पर्दा हटाया। उसके पीछे एक पुराना रंग

सिल्वर उछल पड़ा, कहा—'कोलिन्सन, जो शक मुझे

पता था—वही व्यक्ति जिमने कमरेन और केनेथ की

न लगाकर खड़ा रहा होगा और हम लोगों की

गा। यह तय है कि वह अपना निडरी के रास्ते,

f

f

f

f

f

न पड़ा जैसे मुझे कोई कमर में हाथ डालकर पकड़ रहा था। मेरे पर कपड़ा भी तुरन्त रख दिया गया। वह व्यक्ति जल्द अन्दर ही होगा।'

सिल्वर—'क्या वह मर्द था?'

ऑरियल—'मैंने कहा न, मैं कुछ नहीं जानती। हाँ, उसका हाथ कठोर था, इसका अनुभव मुझे हुआ था।'

सिल्वर—'मैं चाहता हूँ कि आप जल्द से जल्द यहाँ से चली जाएँ, इलाका बूढ़ा रहा है।'

पीटर, कौलिन्सन और सिल्वर के साथ ऑरियल नीचे उतरा और वहाँ में जाकर बैठ गई। पीटर ड्राइवर की जगह बैठा। गाड़ी चली जाने के बाद सिल्वर ने कहा—'कौलिन्सन, ऑरियल बड़ी भली आर दरी लड़की है, किन्तु परिस्थितियाँ ऐसी हैं कि उसे यहाँ से हटाना नही सही था। अच्छा, आओ चलें। पहले उस कमरे की जाँच कर लें जहाँ बैठकर हम बात कर लें फिर घर के अन्य आदमियों से सलाह ले लेंगी।'

कमरे में आकर थोड़ी देर इधर-उधर देखने के बाद सिल्वर ने दीवार के एक ओर का पर्दा हटाया। उसके पीछे एक पुराना रोशनदान था। सिल्वर उछल पड़ा, कहा—'कौलिन्सन, जो शक मुझे था, वही था। हयारा—वही व्यक्ति जिसने क्रैन्सटन और केनेथ की हत्या की—वही जगह कान लगाकर खड़ा रहा होगा और हम लोगों की बातें सुनता रहा होगा। यह तय है कि वह व्यक्ति सिड़की के रास्ते, उस लता के

1

4

4

4

पड़ा जैसे मुझे कोई कमर में हाथ डालकर पकड़ रहा था। मेरे कपड़ा भी तुरन्त रख दिया गया। वह व्यक्ति जफर ग्रन्डरी होगा।’

सिल्वर—‘क्या वह मर्द था?’

ऑरियल—‘मैंने कहा न, मैं कुछ नहीं जानती। हाँ, उसका गला कठोर था, इसका अनुभव मुझे हुआ था।’

सिल्वर—‘मैं चाहता हूँ कि आप जल्द से जल्द यहाँ से चली जाएँ ताकि वह बूढ़ा रहे।’

पीटर, कौलिन्सन और सिल्वर के साथ ऑरियल नीचे उतरा ग्राफरी में जाकर बैठ गई। पीटर ड्राइवर की जगह बैठा। गाड़ी चलाते-चलेते सिल्वर ने कहा—‘कौलिन्सन, ऑरियल बड़ी भली आदमी लड़की है, किन्तु परिस्थितियाँ ऐसी हैं कि उसे यहाँ से हटाना ही था। अच्छा, आओ चलें। पहले उस कमरे की जाँच कर लें जहाँ बैठकर हम बात कर लें फिर घर के अन्य आदमियों से सचीत करूँगा।’

कमरे में आकर थोड़ी देर इधर-उधर देखने के बाद सिल्वर ने गल के एक ओर का पर्दा हटाया। उसके पीछे एक पुराना रेशनदान था। सिल्वर उछल पड़ा, कहा—‘कौलिन्सन, जो शक मुझे था, वही सच था। हत्यारा—वही व्यक्ति जिसने क्रैन्सटन और केनेथ की हत्या की—ही जगह कान लगाकर खड़ा रहा होगा और हम लोगो की बातें सुनता होगा। यह तय है कि वह व्यक्ति रिड्डी के रास्ते, उस लता के

है। मैं यहाँ उपस्थित सभी का बयान लेना चाहता हूँ, जिससे पता चले कि आप लोग उस समय कहाँ, क्या कर रहे थे और किसके साथ थे।'

सक्षेप में बयान ये थे—

ओटो के० विवन 'जलपान करने जाने के पहले बाहर घूम रहा था सबको भीतर भागते देखकर मैं भी भीतर आया।'

महाशय और श्रीमती डुपोय—'जलपान कर रहे थे।'

सुसेन ली—'जलपान समाप्त करके डाइनिंग रूम में बैठी चिट्ठियाँ लिख रही थी।'

ट्रिमेन—'डाइनिंग रूम में अकेला बैठा जलपान कर रहा था।'

लुई ट्रिमेन—'अभी तक सोई हुई थी।'

मिस तिबैट—'अपने कमरे में ही बैठी, दिन के खाने-पीने की व्यवस्था कर रही थी।'

मास्टर्स—'भण्डार-घर में काम कर रहा था और आवाज सुनकर बाहर आया। रिचर्ड ट्रिमेन डाइनिंग रूम से भागा हुआ बाहर आया।'

पूछा—'क्या बात है मास्टर्स?'

मिसेज़ वाउमैन (रसोईदारिन)—'रसोईघर में अकेली थी।'

केट—'ऊपर कमरे साफ कर रही थी, और कुछ ही मिनट पहले रिचर्ड भी उसे सहायता कर रही थी।'

नोट—केवल रिचर्ड ट्रिमेन और मास्टर्स ने ही सिल्वर के दरवाजे के बाहर की आवाज सुनी थी। दूसरे लोग ट्रिमेन की पुकार सुनकर आये। मैं बाहरी आदमी आता जाता नहीं दिखाई पड़ा। किसी बयान की शर्त पर, केवल डुपोय को छोड़कर, भरोसा नहीं हो सकता।

सिल्वर—‘क्या तुम हाल में ही केनेथ से लड़े भगड़े थे ?’

डन्कन—‘मेरी समझ में नहीं आता कि आपका मतलब क्या है ।
ले केनेथ से बहुत पटती नहीं थी, यह सच है, पर क्या इतने के ही
र मैं अपने भाई की हत्या करूँगा ? अभी कल ही, लन्दन जाने के
ले, गराज में मुझसे उससे कहा-सुनी हो गई थी, पर वह मामूली
थी ।’

सिल्वर—‘क्या मैं जान सकता हूँ कि कल किस बात पर लड़ाई
थी ?’

डन्कन घबरा गया । उसने पूछा—‘क्या आप मुझ पर हत्या का
सन्देह कर रहे हैं ?’

सिल्वर—‘जो भी लोग यहाँ हैं, सब पर मैं कुछ न कुछ सन्देह करता
। तुम भी उससे बरी नहीं ।’

डन्कन—‘केनेथ से और मुझसे अक्सर इस बात पर लड़ाई होती
कि मुझे भय था कि पिताजी उसे मुझसे अधिक चाहते हैं ।
इसे भी सह लेता पर मैं देखता था कि व्यापार के नाम पर
वह जो चाहता है, उसे मिल जाता है, और मैं पिताजी से कुछ नहीं
पाता था ।’

सिल्वर—‘कल रात साढ़े ग्यारह और बारह बजे के बीच तुम
कहाँ थे ?’

डन्कन—‘मैं केन्सिंगटन के फर्नोवल स्ट्रीटवाले ब्लैकमूर होटल में
उस समय सो रहा था । खैर, यह तो हुआ । ‘क्या आप कुछ बता
सकते हैं कि केनेथ की जान किसने ली ?’

इस समय दीन दुनिया भूलकर दोनों चले जा रहे थे। थोड़ी देर बाद एक मकान के सामने पीटर ने गाड़ी लाकर खड़ी कर दी। भीतर जाते ही लगभग तीस बरस की एक सुन्दरी पीटर के सामने आई। उसने हँसकर कहा—‘अरे, पीटर ! मैं समझती थी, तुम पेरिस में हो !’

पीटर ने चुपचाप ऑरियल को सामने कर दिया और दरवाजा बन्द कर दिया।

बूढ़े ने देखा कि इतनी ही देर में युवती के मुख का भाव बदल गया । अब तक तो वह एक मीठी-सादी व्यापारी थी, किन्तु अब उसके चेहरे पर वह भाव आ गया था जो एक स्त्री के मुख पर उस समय आता जब उसका एक प्रेमपात्र सामने रहता है अथवा जब ऐसा व्यक्ति मने रहता है जो उसे प्यार करने का दम भरता है । वह आगन्तुक कि तीस बरस से कुछ ज्यादा आयु का था । सैन्डी उसके साथ लगभग छः महीनों से व्यापार कर रहा था, फिर भी उसका असली नाम नहीं जानता था, किन्तु जिस तरह का यह व्यापार था उसमें किसी का असली प्रेम-धाम जानना जरूरी नहीं होता । हीरे-जवाहरात ले आना, नकद दाम देना और आपसी विश्वास । बस, इतने की ही इस व्यवसाय में जरूरत थी । यह भी नहीं पता लगता था कि इस व्यापार में कोई सम्झौता है या वह अकेला ही इसे करता है । उस व्यक्ति ने क्वीनी की ओर देखते हुए कहा—‘रोज़ की तरह आज भी ७ बजे रात को वही सोजना होगा क्वीनी ।’

क्वीनी सिर हिलाकर, उठकर पास के कमरे में चली गई ताकि ये दोनों अपना काम खतम कर लें । उसके जाने के बाद स्पाइक ने जेब से एक बण्डल निशाला और उसे रोलकर टेबुल पर रख दिया । उसमें बहुतमूल्य हीरे-जवाहरात थे । आतशी शीशे की सहायता से उन्हें जाँचकर सैन्डी स्पाइक की ओर देखने लगा । थोड़ी देर बाद उसने कहा—‘आज मैं अपने नियमों में से एक का उल्लंघन करना चाहता हूँ । क्योंकि, तुमसे और क्वीनी से बहुत घनिष्ठता होती जा रही है ! क्या तुम सम्मते हो कि वह तुम्हें प्यार करती है ?’

1

f

h

सैन्डी—‘स्कॉटलैंड यार्ड वालों के। उनके काम में मदद पहुँचाना
 का पेशा नहीं है, पर उनका ग्य़ाल है कि उन ज़वाहगत का चोर ग़ुनी भा
 है। मैं समझता हूँ, उनका कहना ठीक है। देग्नो, एक वक्ता म
 प्रतिष्ठित वकील था। मुझमें एक गलती हो गई। अदालत ने फेमला
 दिया कि मैं अपराधी हूँ। उसके बाद सम्मान-पूर्वक रहने का मेरे पास
 कोई साधन नहीं रह गया और आज मैं एक कानून से अरक्षित व्यक्ति हूँ।
 तुम कह सकते हो कि जो स्वयं ही ऐसा हो उसे दूसरे की आलोचना करने
 का अधिकार नहीं। यह सच है, पर यह भी सच है कि किसी ग़नी
 और हत्यारे के हाथ मैं उस लड़की को न पढ़ने दूँगा। मैं तुम्हें पहले
 ही दिन पहचान गया था, पर यह अन्तिम बार इस सम्वन्ध में तुमसे बातें
 कर रहा हूँ। इतना विश्वास रखो कि इसके पहले कि एक ग़नी से
 मेका विवाह हो, मैं उस आदमी को गोली मार दूँगा। हाँ अब
 काम की बात हो।

×

×

×

×

बर्माडोसी के ‘चिकेन हाल’ के पास एक छोटा होटल है—‘लैन्टन
 आर्म’। फौम्सी कैम्प उसी जगह बैठकर अखबार पढ़ रहा था, साथ
 वहाँ आने-जानेवाले प्रत्येक व्यक्ति को ग़ोर से देखता जाता था।
 लड़ी देर इसी तरह देखते रहने के बाद वह होटल छोड़कर बाहर आया
 और सावधानी से चलता हुआ ब्रिक्सटन पहुँचकर एक मकान में घुस
 था। सामने ही एक गोरे रङ्ग की युवती पड़ी। उससे उसने पूछा—
 ‘कहो लिल, सब कुशल है?’



6

h

1

e

h

h

h

7

h

h

लिल—‘कुछ भी करो, जल्दी करो। मुझमें यह ज्यादा नहीं है होगा।’

केम्प ने सहसा सामने का प्लेट हटा दिया। कहा—‘यही होगा, रात को ही मैं उन चीजों को यहाँ से हटा दूँगा। लाथ्रो, पेंचकश मैं अपना सेफ रोल्डूँ।’

सेनेगाले कमरे की एक आलमारी हटाकर, केम्प ने उसके नीचे की दरी हटा दी, फिर पेंचकश से जमीन का एक तख्ता उभारकर उसके नीचे एक डब्बा निकालकर जेब में डाल लिया। सब ज्यो का लो करके ने ग्रीवकोट पहना। फिर चलने की तैयारी करता हुआ वह कहा—‘अब सब मुझ पर छोड़ दे। अगर मेरे पीछे सूँघते-सूँघते पुलिस पहुँचे यहाँ तक आ जायें तो उनसे कहना कि जहाँ चाहें, तलाशी लें। हाँ, यह लो। इन्हे सँभालकर रखे रहे।’

अब केम्प ने जेब से नोटों का एक बण्डल निकालकर लिल के हाथों में दे दिया और मुँह से सीटी बजाता हुआ वह बाहर निकल गया। यह दशा अधिक देर तक नहीं रही। सीढियाँ उतरकर सामने की सड़क पर आते ही वह बहुत सतर्क हो गया। उसके जी में आया कि पृथ्वी के गर्भ में दबे हुए ये जवाहरात अधिक सुरक्षित थे, पर इस जेब में लेकर चलना मेरे लिए खतरे से खाली नहीं है। करीब चौथाई मील चलने के बाद वह एक टैक्सी पर सवार हो गया और मिनिस्टर के पुल पर उतर गया। उसका विचार ज़मीन के नीचे से जानेवाली रेलों में से एक पर सवार हो जाने का था, पर उसी समय उसका न एक दूसरी टैक्सी पर गया, जिस पर से एक आदमी उतर रहा था -

लिल—'कुछ भी करो, जल्दी करो। मुझमें यह ज्यादा नहीं है होगा।'

केम्प ने सहमा सामने का प्लेट हटा दिया। कहा—'यही होगा, पत को ही मैं उन चीजों को यहाँ से हटा दूँगा। लाओ, पैंचकश में अपना सेफ खोलूँ।'

सोनेवाले कमरे की एक आलमारी हटाकर, केम्प ने उसके नीचे की दरि दी, फिर पैंचकश से जमीन का एक तख्ता उभारकर उसके नीचे एक डब्बा निकालकर जेब में डाल लिया। सत्र ज्यो का त्यो करके ने ओवरकोट पहना। फिर चलने की तैयारी करता हुआ वह—'अब सत्र मुझ पर छोड़ दो। अगर मेरे पीछे सूँघते-सूँघते पुलिस तुम्हें यहाँ तक आ जायें तो उनसे कहना कि जहाँ चाहें, तलाशी लें। हाँ, यह लो। इन्हे सँभालकर रखले रहे।'

अब केम्प ने जेब से नोटों का एक बण्डल निकालकर लिल के हाथों में दे दिया और मुँह से सीटी बजाता हुआ वह बाहर निकल गया। यह दशा अधिक देर तक नहीं रही। सीढियाँ उतरकर सामने की छत पर आते ही वह बहुत सतर्क हो गया। उसके जी में आया कि पृथ्वी के गर्भ में दबे हुए वे जवाहरात अधिक सुरक्षित थे, पर इस जेब में लेकर चलना मेरे लिए खतरे से खाली नहीं है। करीब छह चौथाई मील चलने के बाद वह एक टैक्सी पर सवार हो गया और मिनिस्टर के पुल पर उतर गया। उसका विचार ज़मीन के नीचे चलनेवाली रेलों में से एक पर सवार हो जाने का था, पर उसी समय उसका ध्यान एक दूसरी टैक्सी पर गया, जिस पर से एक आदमी उतर रहा था।

1

2

3

लिल—‘कुछ भी कगे, जल्दी करो। मुझने यह ज्यादा नहीं
त होगा।’

कैम्प ने सहसा सामने का प्लेट हटा दिया। कहा—‘यही होगा,
रात को ही मे उन चीजों को यहाँ से हटा दूँगा। लाथ्रो, पेंचकश
में अपना सेफ खोलूँ।’

सोनेवाले कमरे की एक आलमारी हटाकर, कैम्प ने उसके नीचे की दरी
हटा दी, फिर पेंचकश से जमीन का एक तख्ता उभारकर उसके नीचे
एक डब्या निकालकर जेब में डाल लिया। सब ज्यो का लो करके
ओवरकोट पहना। फिर चलने की तैयारी करता हुआ वह
‘अब सब मुझ पर छोड़ दो। अगर मेरे पीछे सूँघते-सूँघते पुलिस
यहाँ तक आ जायें तो उनसे कहना कि जहाँ चाहें, तलाशी लें।
हाँ, यह लो। इन्हें सँभालकर रखे रहो।’

अब कैम्प ने जेब से नोटों का एक बण्डल निकालकर लिल के हाथों
में दिया और मुँह से सीटी बजाता हुआ वह बाहर निकल गया।
दश अधिक देर तक नहीं रही। सीढियाँ उतरकर सामने की
पर आते ही वह बहुत सतर्क हो गया। उसके जी में आया कि
पृथ्वी के गर्भ में दबे हुए ये जवाहरात अधिक सुरक्षित थे, पर इ
जेब में लेकर चलना मेरे लिए खतरे से खाली नहीं है। करी
चौथाई मील चलने के बाद वह एक टैक्सी पर सवार हो गया औ
ट मिनिस्टर के पुल पर उतर गया। उसका विचार जमीन के न
लनेवाली रेलों में से एक पर सवार हो जाने का था, पर उसी समय उस
अन एक दूसरी टैक्सी पर गया, जिस पर से एक आदमी उतर रहा थ

चौदह—

वार का प्रातःकाल, १८ दिसम्बर ।

‘सब ठीक है वेव ? पाइनलैड्स गये थे ?’

‘जी हाँ, मैं साढ़े बारह बजे रात को आशानुसार वहाँ गया था ठीक था ।’

सर्जेंट फॉस ने सिर हिलाया और बाइसिकिल पर खाना हो गया । वाताशील नहीं था, पर मिस मैक्सवेल के खाली मकान में उसे एक रहस्य मालूम होता था । फिर, सिल्वर ने उसे उस मकान पर नज़र रखने का शक़्क़ता भी समझा दी थी । उस खाली मकान में भी कोई घटना तकती है, यद्यपि यह कहना असम्भव था, फिर भी अपने सन्तोष के फॉस ने जाँच कर लेना ही ठीक समझा ।

गम्भीर काली रात थी। जब फॉस वहाँ गया । पास पहुँचकर थोड़ा तक वह चुपचाप सुनता रहा, कहीं दूर से कोई कुत्ता चीख रहा था : एकाएक ऊपर के पेड़ पर एक उल्लू बोल उठा । वह लॉन पर मकान के फाटक पर पहुँचा और अपनी लालटेन से जाँच करने लगा । देखते-देखते उसके मुख का भाव बदल गया । शाम को की-जपन्थिति में ही, उसने एक दियासलाई को तोड़कर दरवाजे के

इन्द्रह—

१२ का प्रातःकाल, १८ दिसम्बर ।

उस दिन फ्रॉम्सी केम्प देर में सोकर उठा । उठते ही उसके मन में यह
प्राई कि कहीं कुछ गड़बड़ हो रही है । उसे कुछ अच्छा नहीं
हा था । घर पर रहने के समय, वह लिल के सोकर उठने के पहले
उ जाता था और उसके सोकर उठने तक उसके लिए एक कप चाय
जाता था । खुद वह चाय नहीं पीता था । उसने सोचा कि शायद
के अतिरिक्त और कोई स्त्री उसके योग्य नहीं हो सकती । बात
भी थी । उसके दुःख के समय में भी वह सदा इसके साथ लिपटी
अब वह एक मेस में रहता था और पूर्णतया लिल पर निर्भर
लिल भी चुपचाप अपने बच्चों की देखरेख में जीवन के दिन व्यतीत
ही थी । वह यही चाहती थी कि केम्प भलेमानसे की तरह रोज़ी
वे । यद्यपि केम्प को यह बात कुछ जँचती नहीं थी, फिर भी वह
बार चेष्टा करना चाहता था । वह सोच रहा था कि यहाँ का
भगड़ा निवट जाने पर आस्ट्रेलिया चला जाय और वहाँ कोई
री कर ले । एकाएक उसे उस जासूस का खयाल आया जो उसका
कर रहा था और तब उसने सोचा कि यहाँ रहना ठीक नहीं है ।
'से तो पुलिसवाले मुझे तुरन्त ही खोज निकालेंगे । केम्प को यह भी

1

2

3

ने 'ईवनिंग एको' पत्र की एक प्रति खरीदी। उसे लेकर वह चाय एक दूकान में घुस गया। उसमें मोटे अक्षरों में छपा था—

मिस मैक्सवेल का पता बहुत गुप्त रखा गया है और उनके खाली निशान पर पूरी नजर रखी जा रही है।

साजेंट फॉस का कहना है कि मकान की एक खिड़की में जो शेशनी होने देखी थी, उसके परिणाम स्वरूप आज ही वे कोई न कोई रिफ्तारी कर सकेंगे। जासूस इन्स्पेक्टर सिल्वर का कहना है कि रिफ्तारी के पहले एक बहुत ही आवश्यक बात के प्रमाणित होने जरूरत है।

इतना पढ़ने के बाद केम्प के मुँह से अपने आप निकल गया—'वह तब यही है कि वे जानते ही नहीं कि किसको पकड़ा जाय।' उसने आगे बढ़ना शुरू किया—

मिस्टर ओटो के० क्विन ने एक हजार पौंड पुलिसवालों को इसलिए दिये हैं कि वे उस व्यक्ति को पुरस्कार-स्वरूप दिये जायें जो निम्नलिखित बातों की सूचना दे सके—

१. ब्रैमकोर्ट होटल में बुधवार की रात को लौरिमेर क्रैन्सटन की हत्या किसने की ?

२. बृहस्पतिवार को पाइनलैण्ड्स में सेफ की चोरी किसने की ?

३. शुक्रवार की सुबह मिस ऑरियल की हत्या की चेष्टा किसने की ?

४. आज सुबह छिपे छिपे पाइनलैण्ड्स में कौन घुसा था ?

स्कॉटलैंड यार्डवालों का खयाल है कि ये सब घटनाएँ एक दूसरी से मिली हुई हैं, लेकिन यह एक आदमी का काम है या किसी गिरोह का,

सोलह—

बार की रात, १८ दिसम्बर ।

मिस्टर पौटर की आज वर्षगांठ है और पचास बरस से नियमानुसार वे मनाते आ रहे हैं । उनकी दफ्तरी की दूकान है । रोज सुबह ले जाते हैं और रात के सात बजते-बजते घर लौट आते हैं । आज नियमानुसार वे चले आ रहे थे । लन्दन शहर के ऊपर घना कुहरा हुआ है, सड़क की बत्तियाँ उसमें से सिर निकालकर भौंक रही हैं । र पौटर चुपचाप वर्षगांठ की प्रसन्नता में, अपना छाता ताने केमडन न के रास्ते घर की ओर चले जा रहे हैं । उन्हें ऐसा लग रहा है कुहरे के कारण वे अपना रास्ता भूल गये हैं । फिर भी वे मस्तर गुनगुनाते हुए चले जा रहे थे कि एकाएक झटका खाकर लडखड़ा । एक आदमी के पाँव से उन्हें ठोकर लगी जो एक मकान की छतों पर बैठा हुआ था । इस सुनसान मुहल्ले में इस वक्त कोई इस सीढ़ियों पर बैठा रहे, यह मिस्टर पौटर को आश्चर्यजनक जान पड़ा, भी कुहरे के कारण कुछ स्पष्ट दिखाई न देने पर वे बोले—‘माफ़ जिए, क्या आप बता सकते हैं कि हम कहाँ हैं ?’

कोई जवाब नहीं मिला ।

पौटर ने अपने छतों से उन पावों को फिर खोदा, कहा—‘क्या आप बता सकते हैं कि हम कहाँ हैं ?’

ों से ऐसे सद्य व्यवहार की उसे आशा नहीं थी। सिल्वर के भीतर ने पर लिल ने पूछा—‘कहिए, आप क्या चाहते हैं ?’

‘मिस्टर केम्प अब यहाँ नहीं आवेंगे। क्या आप इन चीजों को जानती हैं ?’ इतना कहकर सिल्वर ने जेब से एक टोपी, एक सिगरेट-और एक घड़ी निकालकर लिल को दिखाई।

लिल—‘मैं इन्हें नहीं पहचानती, पर माजरा क्या है ?’

सिल्वर—‘अगर ये चीजें आपके पति की हैं तो मुझे दुःख है। मैं आपको एक बुरी खबर सुना रहा हूँ।’

लिल का चेहरा सफेद हो गया। उसने कहा—‘क्या आपने केम्प को ढाला ?’

सिल्वर ने बिना उत्तेजित हुए कहा—‘इन वस्तुओं का स्वामी अब मर गया है।’

लिल ने एकदम उत्तेजित होकर कहा—‘यह भूठ है, बिलकुल भूठ, आप मजाक कर रहे हैं। कल रात वे घर नहीं आये, पर अब आते होंगे। आप कृपा कर यहाँ से चले जायें।’

सिल्वर ने शान्त भाव से उत्तर दिया—‘हमारा विश्वास है कि मृत शक्ति केम्प ही हैं। कृपया हमारे साथ चलकर लाश की शिनाख्त कर ले।’

थोड़ी देर तक लिल सोचती रही कि इसमें कुछ चाल तो नहीं है, किन्तु यह विश्वास हो जाने पर कि ये चीजें वास्तव में केम्प की ही हैं, उसने कहा—‘चलिए, मैं चलकर देखूँगी।’

समाधिस्थल पर पहुँचकर थोड़ी देर तक लिल लाश के पास स्तब्ध खड़ी रही, फिर फूट पड़ी—‘किस हत्यारे का यह काम है, महाशय ?’

कहा। जब तक केनेथ नाम के किसी व्यक्ति की हत्या नहीं हुई
तक तो उन्होंने कुछ भी नहीं बताया, पर उस दिन अचानक पढ़ते
उनका चेहरा बहुत विचित्र हो गया। मेरे पूछने पर उन्होंने विंग-
वॉली चोरी का हाल बताया। केनेथ की हत्या के समय तो वे
ही पास रहे।’

सिल्वर—‘जवाहरात की चोरी में उनका सहायक कोन था?’

लिल—‘यह मैं नहीं जानती। ऐसी बातें वे मुझे कभी नहीं बताते
वे कहा करते थे कि तुम्हारे लिए यही अच्छा है कि तुम कुछ न
; क्योंकि इससे कभी तुम्हारे धिपत्ति में पड़ने की भी आशंका है
यह उनसे वर्दाशत न होता।’

सिल्वर घबरा गया। कैम्प की मृत्यु के बाद वह मन ही मन हवाई
। बना रहा था कि किस तरह लिल से मिलेगा और किस तरह उसे
से सारी बातों का पता लग जायगा, पर लिल खुद या तो अंधेरे में
या उससे कुछ बातें छिपा रही थी। फिर भी, उसने पूछा—‘कैम्प
। कैमडन टाउन क्या करने गया था?’

लिल ने वैसे ही उत्तर दिया—‘मैं क्या जानूँ? मैंने कल से उन्हें
। ही नहीं।’

सिल्वर को सहसा पाइनलैंड्स की रिडकी के प्रकाश की बात याद
गई। उसने पूछा—‘क्या वह शुक्रवार की रात को विंगफोर्ड
। था?’

लिल ने कहा—‘मैं नहीं जानती। आपसे कहा तो कि वे अपने
मो के बारे में मुझे कुछ भी नहीं बताते थे।’

वह—

का प्रातःकाल, १६ दिसम्बर ।

डी मैकएन्ड्रूज़ नित्य नियमानुसार अखबार पढ़ने का अभ्यस्त था । पेशे—चोरी का माल खरीदने—में यह सहायक था । अखबारों में भी और अपराध के संबंध में जो खबरें छपती, उन्हें वह काटकर जिस्टर में चिपका लेता । इस समय भी वह उसी रजिस्टर को र देख रहा था । चश्मा एक बार साफ कर उसने पढ़ा—
। यह जाता है कि इस अपराध और मिस ऑरियल के जीवन में घटनाओं में कोई गहरा संबंध है । कल रात बहुत देर तक इन्स्पेक्टर सिल्वर, जो विंगफोर्डवाले मामले का पता लगा रहे हैं, केम्पवाले मामले का पता लगाते रहे । केम्प को पहले भी कई गों के लिए जेल हो चुकी है ।’

झग्नर खोलकर मैकएन्ड्रूज़ ने और भी कितनी ही कतरनें निकालीं गफोर्डवाले मामले से संबंध रखती थी और ध्यान से उन्हें देखने । उसी समय कमरे में हलके पद-शब्द सुनकर वह घूमा । क्वीनी ही थी—‘मैं खाना खाने नहीं आऊँगी मैक ।’

सैन्डी—‘मुझे कुछ बातें तुमसे करनी हैं ।’

कुर्सी की पीठ पर झुककर युवती ने कहा—‘कहिए ।’

अट्टारह—

वार की सुबह, १६ दिसम्बर ।

विंगफोर्ड-स्थित मिस्टर रौलैंड के बँगले को जिंजर हॉव्स जब कभी जाता तो उसे बड़ी धवराहट होती । अखबारों से उसे सब घटनाओं का चल गया था । उसे इस बात पर भुँभलाहट होती कि पुलिस इस गले में जल्दी क्यों नहीं कुछ कर रही है ! इसी लिए, आज काम पर ते समय, वह बँगले के सामने से जल्दी-जल्दी कदम बढ़ाता निकल पड़ा । वह अभी पटरी पार ही कर रहा था कि उसकी निगाह पटरी पर ही किसी चीज की ओर गई । उसने उसे उठा लिया । घोर सदा भी उसके मुख पर पसीना चुहचुहा आया । इसके क्या मतलब हैं ? या हुआ है ! क्या होनेवाला है ! वह सोचने लगा, उसे क्या करना चाहिए । पुलिस को तो खबर देनी ही होगी । वह जब गैरेज पहुँचा, उस समय साढ़े नव बजे थे । फोरमैन के हट जाने के बाद वह तुरन्त स्टेशन आया और लन्दन की ओर सवा दस बजे की ट्रेन से खाना हो गया ।

स्काटलैंड यार्ड पहुँचकर वह सिल्वर से मिला । जेब से एक गन्दे रुमाल को निकालकर उसने उसे खोला और उसमें की चीज़ों को टेबुल पर उलट दिया ।

डन्कन रौलैण्ड कहाँ पर है। सब पता लगाकर मुक्त जेलीफ
। समझे ?

टेलीफोन करके सिल्वर कमरे में परीशान सा घूमने लगा। ग
र बाद टेलीफोन की घटी बजी। रिसीवर कान में लगाकर मि
।—‘हाँ, कहो फॉस !’

उत्तर आया—‘मे बँगले से बोल रहा हूँ। सब ठीक है। मि
एड घर पर ही है। उनका कहना है कि उनका लड़का ड
एड वहाँ नहीं है।’

सिल्वर—‘डन्कन कब गया ?’

उत्तर आया—‘कल रात को करीब दस बजे। वह कुछ दिने
। लन्दन गया है।’

सिल्वर—‘लन्दन में कहाँ ठहरा है ?’

उत्तर—‘उसके पिता इस सब घ में कुछ बताना नहीं चाहते।’

सिल्वर—‘अच्छा फॉस, मे चाहता हूँ कि एक आदमी रौलैण्ड
पर तैनात कर दो। एक मिनट के लिए भी मकान बिना प
है, समझ।’

टेलीफोन रखकर वह लड़के की ओर घूमा, कहा—‘हॉव्स, ये
सी से भी मत कहना। इस बात को अभी तक हम दो ही जानते
गर तुम्हारा मुँह खुला तो सम्भव है, तुम्हारी जान पर आ बने।
रूपये इनाम लो। जाओ।’

हॉव्स के जाने के बाद सिल्वर अपनी कुर्सी पर विचार-मग्न बैठ ग
सका ध्यान उन्हीं चार टाँगा फलों पर जमा था। ये रौलैण्ड के बँग

कुछ घबराया, डर सा लगा। कोलिन्सन छिपकर निम्नल गया।
डन्कन रका, स्काटलैंड यार्ड के फाटक की ओर देखा और फिर आगे
ढा। पीछे-पीछे कोलिन्सन उसके पाम पहुँचा और जमे ग्रचानक
ने भेंट हो गई हो, कहा—‘अरे, डन्कन !’

डन्कन ने कोलिन्सन को पहचाना, कहा—‘अरे, आप !’

थोड़ी दूर और चलने पर कोलिन्सन ने कहा—‘अभी मैं यार्ड के
फाटक पर आपको देख चुका था। शायद आप तय नहीं कर पा रहे थे
कि भीतर जायँ या नहीं।’

डन्कन कुछ बोला नहीं, चलता गया। एक जगह रुककर उसने
कहा—‘मैं आपसे बात करना चाहता हूँ। क्या आपका खयाल है कि अपने
भाई की हत्या मैंने ही की है ?’

कोलिन्सन—‘क्यों ? मैंने तो ऐसा कभी कहा नहीं !’

डन्कन—‘कहा न हो, पर सम्भते जरूर हैं, क्यों न ? पुलिस भी यही
नोचती है। मेरे पिता को भी कुछ-कुछ ऐसा ही सन्देह है। यह तो
बड़ी मुश्किल है।’

कोलिन्सन—‘हम लोग तो केवल वास्तविक घटनाओं से ही अपने
नतीजे निकाल सकते हैं।’

डन्कन—‘मुझ पर सन्देह किया जा रहा है और किसी के विचार बदले
नहीं जा सकते।’

कोलिन्सन—‘पर बदलने का कोई कारण तो हो ! आप अभी तक
यह मुझे साबित नहीं कर सके कि आप निरपराध हैं।’



७५१—

गुनिवार की सुबह, १६ दिसम्बर ।

मैगपी क्लब के एक कमरे में आरामकुर्सियों पर बैठते हुए डन्कन ने कहा—‘आपने वह पुर्जा मुझे दिखला दिया, यह अच्छा किया । कम से कम मुझे यह तो यकीन हो गया कि आप मुझे धोखा नहीं देंगे । हाँ, तो क्या आपको इस बात पर विश्वास नहीं होता कि मैंने अपने भाई की सहायता नहीं की ?’

कौलिन्सन—‘तब आप यार्ड के फाटक पर इतने धवराये से क्यों उठे थे ?’

डन्कन—‘देखिए मिस्टर कौलिन्सन, मैं इस समय बहुत स्पष्ट बातें कर रहा हूँ, क्योंकि मुझे सलाह की जरूरत है । पिताजी ने मुझसे वचन लिया था कि मैं किसी से कहूँगा नहीं । उनका विचार है कि चुप रहना ही श्रेयस्कर है पर मैं ऐसा नहीं समझता । केवल तीन आदमी ही सत्य बात जानते हैं ।’

कौलिन्सन—‘कौन सी सत्य बात ?’

डन्कन—‘उन्हीं टॉगा फलो की । और वे तीन आदमी हैं—मेरे पिताजी, मैं और मिस ऑरियल मैक्सवेल ।’

भारी विपत्ति ला सकता हूँ। परिस्थितियाँ ही शुरू में हमारे विरुद्ध हैं। खैर, तो सबसे बड़ी बात यही है कि वे डागा फल हमारे पिताजी के हैं। इस देश में वे ज्यादा नहीं पाये जाते, दक्षिणी अफ्रीका भी अधिक नहीं दिखाई पड़ते। वे कोई विशेष महत्त्व नहीं हैं। वहाँ के निवासी जिस काम में इन्हें ले आते हैं वह विचित्र जन्म है। तीन साल पहले, उत्तरी जुलूलैंड का एक व्यापारी, जो हमारा मित्र था, हमारे यहाँ आकर ठहरा। एक दिन उसने अपनी जेब से एक फल निकाले और पिताजी से पूछा कि 'क्या आप इन्हें जानते हैं।' मैंने कभी उनके बारे में सुना नहीं था। पर पिताजी ने बताया कि वहाँवाले मृत्यु देश के रूप में इनका प्रयोग करते हैं। वह व्यापारी, जो अब अफ्रीका में था, उन्हें हमारे यहाँ छोड़ गया। किसी ने उन्हें बैठक के कमरे में एक बक्स में उठाकर रख दिया और वहाँ वे पड़े रहे।'

कौलिनसन—'ठहरिए! उस व्यापारी ने जब वे फल दिखाये, तब वहाँ कौन कौन था?'

डन्कन—'मैं, मेरा भाई केनेथ और पिताजी।'

कौलिनसन—'और कोई नहीं?'

डन्कन—'मैं समझता हूँ, और कोई नहीं था, पर उस समय उन फलों को इतना गुप्त समझने की कोई जरूरत तो थी नहीं। हो सकता है, पिताजी ने ही किसी और व्यक्ति को दिखाये हो, यद्यपि उन्हें इस बात की याद नहीं है। जब ऑरियल को धमकी दी गई और उसका कुत्ता मरा तब उसने वह फल हमें दिखाया। मेरे पिता ने ही उसे उनसे

और कुछ। डन्कन ने फिर पूछा—‘आपने मुना कुछ ? ३२ म३
फिर सिल्वर क्या कहेंगे ?’

कौलिन्सन ने सहसा पूछा—‘क्या आपको या आपका पताना ३३
स्मरण है कि उस वक़्त मैं कितने टांगा फल रखे गये ३४ ?’

डन्कन—‘हाँ। छ. या सात रहे होंगे।’

कौलिन्सन ने सोचा, बात ठीक है। एक कुत्ते के गले में ३५
दूसरा ऑरियल के पास फ्रास भेजा गया था, तीसरा पाइनलैंड्स
उसके पास भेजा गया था और चार फल हॉव्स को मिले थे। इस
ह सात हो गये।

डन्कन—‘एक और चिन्ता मुझे खाये डाल रही है और सच तो
‘ह है कि इसी लिए मैं आज स्काटलैंड यार्ड गया भी था। मुझे
विश्वास है कि ऑरियल पर कोई विपत्ति नहीं आवेगी, पर अब तक की
घटनाएँ देखने से भय होता है कि कहीं वही अब दूसरा शिकार न
हो। यदि ईश्वर न करें, ऑरियल मर गई और तब पता चला
कि टांगा फल हमारे पास थे ... क्या करूँ कौलिन्सन, कुछ समझ में
नहीं आता।’

कौलिन्सन—‘पहले तो मैं तुम्हें यह बतलाना चाहता हूँ कि सिल्वर
तुमसे जल्द से जल्द मिलना चाहता है। अगर तुम खुद ही उससे न
मिलोगे तो वह दूसरा उपाय काम में लावेगा। तुम उससे मिलकर सारी
बाते कह दो, यही मेरी सलाह है।’

बीस—

बार की रात, १६ दिसम्बर ।

पिंग्फोर्ड में मिस तिवैट का जो मकान था उसका नाम था राज-ज। इस समय समूचे मकान की रोशनी बुझी हुई थी। मिस के कमरे की बगल में मकान मालिक जार्डन गेस्क का कमरा था। उस समय अर्द्ध तन्द्रा में था। पर उसकी पत्नी एलन, जो कुछ दिना-यल के यहाँ भी काम कर चुकी थी, इस समय बहुत अव्यवस्थित पड़ती थी। उसे नींद नहीं आ रही थी। रात के एक बजे उसकी इतनी बढी कि वह उठकर बिस्तर पर बैठ गई। कोई रहस्य-मन में उथल-पुथल मचाये हुए था और अब वह बिना उसे निकाले चैन नहीं पा रही थी। उसने एक बार अपने खराटे हुए पति की ओर देखा और निकलकर मिस तिवैट के कमरे-हुँची।

मिस तिवैट ने आश्चर्य से पूछा—‘क्या है ? इतनी रात को कैसे ?’

एलन—‘एक बात तुमसे कहनी है तिवैट। यह तुम जानती हो कि-
म्हारे लिए सब कुछ कर सकती हूँ। पर शुक्रवार की रात की बात-
खाये डाल रही है।’

तुम्हीं उस रात को पाइनलैण्ड्स गई थी। मैं तो तुम्हारे पन्द्रह ब्रात पर विश्वास न करती, पर मुझे भय है, जॉर्डन अब मानग नग। मैं तरह तरह की कहानियाँ फैल रही हूँ। सबका यही व्यवसाय है। ग ही उस दिन रात को रोशनी लेकर वहाँ गया था। जॉर्डन ने है कि पुलिस से सब कुछ कह देना उनका फर्ज है और फल मुझीना कहे रहेंगे नहीं। इसी लिए मैं इस वक्त तुम्हें सावधान रहने दे हूँ। तिवैट, अब तुम क्या करोगी ?'

तिवैट जैसे वहाँ उपस्थित न हो। उसके विचार न जाने क्यों कहा कर रहे थे। वह कुछ बोली नहीं। एलन ने पुन उसे भ्रूकभोर-कहा—'जॉर्डन के सोकर उठने के पहले यदि तुम उठ सको तो चुपके यहाँ से निकल भागो। कोई जान न सजेगा।'

तिवैट ने अब एलन के कन्धे पर हाथ रखकर कहा—मैं भागूँगी। एलन। मुझे क्या करना होगा, यह मैंने तय कर लिया है। अब तुम जाओ, सोओ। अगर तुम्हारे पति सब कुछ कह ही ना चाहते हैं, तो उन्हें कोई शक नहीं सकता। मुझे अकेला छोड़ दो।'

एलन चली गई। सबेरा होते ही जॉर्डन उठा। एलन ने कहा—'जॉर्डन, तुम गलती पर हो। तिवैट ने ऐसा हरगिज़ न किया होगा।'

जॉर्डन—'हो सकता है, मैं ही गलती पर होऊँ। पुलिस को उचित जवाब देना तिवैट का काम है। हत्या आग्विर हत्या ही है और मैं

इकोस—

मयार का प्रात काल, २० दिसम्बर ।

तिवैट के कमर मे पहुँचकर साजेंट फॉस ने चारपाई पर १५ ति १७
। देखा । इस नारी के प्रति उसके मन में शुरू से ही श्रद्धा थी ।
इस समय बीमार और बपा बूढ़ी जान पड़ती थी । भीतर ही भातर
हसी बन्तु से वह परीशान थी ।

फॉस — नमस्कार मिस तिवैट । इस समय इस तरह आने के लिए
। दुखी हूँ पर क्या करूँ, जार्डन ने अभी जो बात बताई है उससे आपका
। सम्यन्ध है ।’

। तिवैट का हाथ अपनी छाती की ओर गया जो बुरी तरह धडक रही
‘थी । उसने कहा—‘आप क्या चाहते हैं ?’

फॉस —‘क्या आप शुक्रवार की रात को पाइनलैंड्स गई थीं ?’

तिवैट—‘हाँ, गई थी ।’

जेब से नोटबुक निकालते हुए फॉस ने कहा—‘किस वक्त ?’

तिवैट—‘करीब पौने दो बजे । अकेली ही मैं गई थी ।’

फॉस—‘हाँ, दो बजे के बाद ही मैंने पाइनलैंड्स की एक त्रि- २१
प्रकाश देखा था ।’

[illegible]

थे थे। अखबारों में मैंने पढ़ा कि जिस टाइपराइटर पर गत छापे हैं, उसकी पहचान हो सकती है, तभी मैंने उसे एकदम गायब देना चाहा।’

फॉस—‘किसके कहने से आपने वे खत भेजे थे?’

तिवैट—‘किसी के नहीं।’

फॉस ने सम्मति-सूचक सिर हिलाया। अपने अब तक के पुलिस-जीवन में उसे ऐसे रहस्य से पाला नहीं पड़ा था। मिस तिवैट मदारपराध जान पड़ती थी। उसने पूछा—‘उन टोंगा फलों के बारे में आप जानती हैं?’

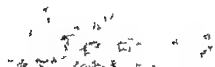
तिवैट—‘मैंने ही उन्हें भेजा था।’

फॉस—‘ब्रैमकोर्ट होटल में लौरिमर क्रैन्सटन की हत्या भी क्या अपने ही की थी?’

तिवैट—‘हाँ, हाँ, क्या अभी तक आपने कुछ नहीं समझा? मैं उस ऑरियल को मारना चाहती थी, पर क्रैन्सटन बीच में आ गये।’

फॉस—‘ठहरिए। जहाँ तक मेरा खयाल है, मिस ऑरियल ने पुलिस को कहा था कि होटल में बन्द दरवाजे पर उन्हें किसी मर्द की आवाज़ सुनाई दी थी।’

तिवैट—‘हाँ, उन्होंने कहा था कि वे साफ़ सुन नहीं सकी थीं। मेरी आवाज और औरतो की बनिस्वत कुछ भारी है। तभी उन्हें धोखा हुआ। क्रैन्सटन ने मेरे हाथों में छुरा देखा। वे समझ गये कि मैं क्या करना चाहती हूँ। रुकने का समय कहाँ था? मैंने उनके छुरा भोंक दिया और चुपचाप नीचे उतर गई।’





2
3
4
5
6

7
8

9

10

11
12

13

ल है, अपराधी ने ही ऑरियल को क्लोरोफार्म भी सुँघाया था।
रोफार्म का असर तुरन्त नहीं होता और जब ऑरियल पर
ता किया गया तब वह बचाव के लिए लड़ी भी होगी, पर
धी मजबूत था। आपको भी यह स्वीकार करना होगा कि
, तिवैट का काम नहीं हो सकता। फिर फॉम्सी केम्प की
हुई गला दबाकर और यह भी उसी अराधी का काम था;
, तिवैट की उँगलियों से यह काम नहीं हो सकता। सबसे बड़ा
य यही है डाक्टर कि तिवैट जैसी सही दिमागवाली स्त्री यह
नियॉ क्यों गढ़ रही है !'

डाक्टर तिवैट को देखने चले गये। फॉस ने नोट-बुक जेब में
ली और सिल्वर के साथ पाइनलैंड्स आया। ऊपरवाले पानी में
ज में से टाइपराइटर भी मिल गया। सिल्वर ने कुछ सोचकर कहा—
'गान पढ़ता है फॉस, तिवैट किसी को बचाने की चेष्टा कर रही है। को
ऐसा जिसके लिए वह मर तक सकती है।'

फॉस का बनावनाया खेल बिगड़ रहा था। उसने परीशान :
होकर कहा—'जो हत्या कमी नहीं की उसी को स्वीकार करना और :
जहर पीकर आत्म-हत्या करना, यह सब क्या और क्यों हुआ ?'

सिल्वर—'फॉस, यह मत भूलो कि प्रेम आदमी से सब कुछ :
सकता है।'

फॉस—'मैं समझता हूँ, मिस ऑरियल के लिए तिवैट सब कुछ
सकती है। क्यों न ?'

कौलिनसन—‘उनकी आँखों का रङ्ग एक-सा ही है, बस ।
 प्रेमस रौलैंड ने अपनी पत्नी की तसवीर मुझे दिखाई थी ।
 वह तिवैट से नहीं मिलती । डन्कन के पैदा होते ही वह मर
 गई थी । फिर, तिवैट डन्कन से चिढ़ती भी तो है ! इसे क्यों
 ल रहे हो ?’

—

1

1

1

1

मेलाग्रो के बावजूद भी क्वीनी पिघल जाती। यह केवल इतना ही
! सको—'मुझे भूल जाने की चेष्टा करो स्पाइक !'

स्पाइक—'यह कैसे सम्भव है ? कितनी ही बार तो तुमसे कह
हूँ कि मेरे ध्यान में तुम्हीं रहती हो !'

यह सत्य भी था। अगर कभी कोई पुरुष किसी स्त्री से पागल होकर
कर सकता था तो स्पाइक उसकी प्रतिमूर्ति था।

क्वीनी—'मैं क्या कर सकती हूँ स्पाइक, मैंने तो निश्चय कर लिया
थैर, तुम इस वक्त इतने परीशान क्यों हो रहे हो ?'

स्पाइक—'मैं टेलीफोन पर ज्यादा बातें नहीं कर सकता। इतना
कर सकता हूँ कि वे मेरे पीछे पड़े हुए हैं। 'वे' के मतलब तो तुम
मैं ही गई होगी।'

क्वीनी—'तो मुझे क्या करने को कहते हो ?'

स्पाइक—'दिन भर वे मेरा पीछा करते रहे हैं। मेरे घर पर भी
जर खली जा रही है अतः मैं वहाँ भी नहीं छिप सकता। अगर मैं
ल्दी ही लन्दन के बाहर नहीं चला जाता तो वे मुझे अवश्य पकड़
गि। मैंने सोचा, तुम्हें लेकर यहाँ से भाग निकलूँ।'

क्वीनी—'तुम्हारे पास रुपये हैं ?'

स्पाइक—'हाँ, फिलहाल काम भर के हैं।'

क्वीनी—'तुम इस समय हो कहाँ ?'

स्पाइक—'स्ट्रेथम मे।'



डो० ३७२४३ । एक आदमि...
 र आप लोग यह विरगल...
 पाए वही व्यक्ति है । देर न...
 टेलीफोन रखकर सैन्डी वहाँ...

ल्दी करें तो स्पाइक को पकड़...
 X X

पीटर क्लार्जेस स्ट्रीट में अपने...
 बाद उसके मुख का भाव...
 गोरियल ने यह लक्ष्य किया; पृष्ठ...

पीटर ने जल्दी में कहा—...
 किसी से मिलने अभी जाना है ।
 गकर कहो कि हत्यारा नवर पी०...
 कहो कि जल्दी पीछा करने का...
 वहाँ हैं । मैं चला ।'

पीटर भागता चला गया ।
 पीटर !' पर पीटर ने सुना नहीं ।

गुनिर
 १
 च
 १

3

3
1

3

3

3

3

दी तो ? अभी पीटर की सुहागरात होनी चाक्री थी । पीटर ने ई से काम लिया । कहा—‘मैं तो आपसे यही प्रार्थना कर रहा कि कृपया मेरी गाड़ी का कार्ररेटर जग देख लीजिए; काम नहीं हा है ।’

उस व्यक्ति ने तुरन्त जवाब दिया—‘ओह, यह बात है मिस्टर पीटर ! ते छुटकारा पाने के लिए मैं आपको गोली मार देता पर व्यर्थ का ला होगा । अच्छा, मेरी कार पर चढ़कर जल्दी ड्राइव कीजिए नहीं दो सेके ट में ही आप मरे हुए नजर आवेंगे ।’

कोई दूसरा उपाय नहीं था । पीटर कूदकर नीले रंग की कार पर कर की जगह बैठ गया । उसने घूमकर देखा, उस दूसरे व्यक्ति के हाँ में पिस्तौल थी । उसने उसे पीटर की बगल से सटाते हुए कहा—‘लो, बाये घूमकर सेंट एल्बान्स की ओर चलो ।’

पीटर ने गाड़ी स्टार्ट करते हुए कहा—‘मुझे याद आता है, हम कहीं ले हैं । तुम्हारी आवाज़ पहचानी हुई लगती है ।’

‘अगर गाड़ी चलाने में जरा भी गलती की तो दुनिया में कुछ भी हचाने के योग्य न रह जाओगे । अच्छी तरह समझ लो । अगर मैं पकड़ा गया तो कहीं का भी न रहूँगा । अगर ज़रा भी चालाकी की तो गोली मार दूँगा । आपसि फाँसी तो एक बार ही पढूँगा न ?’ उस आदमी ने कहा ।

पीटर—‘ठीक है, ठीक है । ड्राइव करने लायक रात भी खूब है और कहीं तक ?’

श्रॉरियल—‘यह तो नहीं जानती, पर मैं अक्सर उसे चिढ़ाती थी कि उससे उँगली के इशारे से नचा सकता है। पर वह इसका कुछ जल नहीं करती थी।’

गिल्बर—‘असल बात यह है कि मिस तिबैट मिस नहीं, मिसेज़ वे एक अच्छे परिवार की हैं पर उनका जीवन बहुत दुःखमय। बीस बरस पहले उनका विवाह हुआ, पर पति आवासा निकल गया। एक जुर्म में जेल भेजा गया। जिस दिन उसे सज़ा मिली, दिन मिस तिबैट ने एक पुत्र को जन्म दिया। लड़के का नाम रखा गया और वह अपनी चाची द्वारा पाला-पोसा गया। बीच में तिबैट को पाइनलैंड्स में नौकरी मिल गई। उसे हमेशा बात का डर लगा रहता था कि कहीं यह भेद खुल न जाय कि वह चोर को पत्नी है। तभी उसने अपने को मिस कहकर धोषित किया। का बढ़ता गया पर पिता के रक्त का असर उसमें मौजूद था। वह भी के ढर्रे पर ही चल रहा था। चौदह बरस की उमर में वाल्टर तिबैट रिफार्मेंटरी में भेजा गया, पर उसकी अपराधी वृत्तियाँ भयंकर रूप से रही थीं। अभी पाँच बरस पहले, जब वह साइक तिबैट के नाम चोरों में मशहूर था, उसे डाका और हत्या के जुर्म में जेल की जा हुई।

‘तिबैट ने सोचा कि स्वयं लड़के को न पालने-पोसने का ही यद गीजा है। जिस दिन वह जेल से छोड़ा गया, वह उससे जेल फाटक पर मिली और चाहा कि भली जिन्दगी बसर करे। इसका ही उपाय था। उसने उसे भी पाइनलैंड्स में रानसामा की नौकरी

2
2
2

है। तिवैट उनके खत उनके पास भेजा करती थी। एक दिन उनके से मास्टर्स ने पता देख लिया और दूसरा धमकी का पत्र उनके पास भेजा। थोड़े दिनों बाद मिस ऑरियल ने तिवैट को लिखा कि इंग्लैंड वापस आ रही हूँ। इसी जगह तिवैट गलती कर गई। उसने न धमकी के पत्रों के लिए तथा उन टोंगा फलों के साथ अफ्रीका का सम्बन्ध होने के कारण डन्कन रौलैंड पर सन्देह किया। तिवैट ने मास्टर्स को बतला दिया कि मिस ऑरियल इंग्लैंड वापस आ रही हैं। वह यह जानता था कि हमेशा की तरह ऑरियल एक सत ब्रैमफोर्ट होटल में रतायेंगी। वह लन्दन गया और होटल में ऑरियल के कमरे में जाने की तैयारी करता रहा। क्रैन्सटन ने उसे देख लिया और रोकना चाहा। इसी समय मास्टर्स ने उन्हें छुरा भोंक दिया।

‘इसी बीच एक घटना और हो गई। फॉम्सी केम्प नामक एक चोर ने मास्टर्स को हमेशा होने के कारण पहचान लिया। केम्प ने इसका फायदा उठाना चाहा और गाँव की सराय में वह ठहर गया। वह हतया नहीं था। यदि उसने जान लिया होता कि मास्टर्स खूनी भी है तो उसने अपना सारा सम्बन्ध उससे तोड़ लिया होता। मिस ऑरियल के सेफ की ताली की एक नक़ल मास्टर्स ने किसी वक्त ले ली थी। उसने जवाहरात चुराने का भी तय किया। वह केम्प का मुँह भी बन्द रखना चाहता था। केम्प ने धमकी दी थी कि सारा भेद खोल दूँगा और बतला दूँगा कि यह खानसामा चोर है। मास्टर्स ने जवाहरात चुराये और आधे केम्प को दे दिये। एक अँधेरी गली में वह जिस वक्त केम्प को जवाहरात दे रहा था, उसी समय केम्प रौलैंड उधर से अपनी कार पर गुज़रा। उसने मास्टर्स को पहचाना।

1

2

3

4



